जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 180 प्रभात कोटा, मंगलवार 15 अप्रैल, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अजीब सी शान्ति है, भारत के टॉप अरबपतियों में

दशकों की मेहनत व भाग्य से निर्मित उनके साम्राज्य तिलमिला गये, ट्रम्प के टैरिफ वॉर से उभरी अस्थिरता से

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अप्रेल। यह साल गायब होते अरबपतियों का रहा है। दशकों की मेहनत से बनाई गई संपत्तियाँ कुछ ही महीनों में धराशायी हो गई हैं। भारत के अभिजात्य वर्ग के बिज़नैस गलियारे, जो एक समय पर वैश्विक महत्वाकांक्षाओं से भरे थे, तथा जहाँ बिज़नैस एक्सपैन्शन की बातें होती थीं, वहाँ अब खोई हुई संपत्ति की बेचैन खामोशी गूँज रही है। ग्लोबल इकोनॉमिक परिस्थितियाँ बिगड़ीं और बाज़ार अनिश्चितता के बोझ के नीचे दब गए, तो भारत के सबसे अमीर लोगों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसकी उन्हें न तो उम्मीद थी और न ही जिससे वो आसानी से बाहर निकल सकते हैं।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इन्डैक्स के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सन् 2025 के पहले कुछ महीनों में ही भारत के सबसे अमीर बिज़नैस लीडर्स की संयुक्त संपत्ति में 30.5 अरब (2.63 लाख करोड़) डॉलर की भारी गिरावट आई है। संपत्ति में यह भारी गिरावट, भारतीय शेयर बाज़ारों में तेज़ गिरावट के बीच आई है, जिसकी शुरुआत हुई विदेशी निवेशकों द्वारा अपना पैसा बाज़ार से निकालने के कारण। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर ट्रेड को लेकर बढ़ता

- टॉप अरबपतियों की ''वैल्थ'' को 30.5 बिलियन डॉलर यानी 2.63 लाख करोड़ रूपये का झटका लगा है।
- सबसे बड़ा झटका हिन्दुस्तान कम्प्यूटर लिमिटेड (एचसीएल) के मालिक व संस्थापक शिव नाडर को लगा, जिनकी वैल्थ 10.5 बिलियन डॉलर गिरी। यह सच है कि ग्लोबल स्लोडाउन में सबसे बड़ा झटका आईटी सैक्टर को लगा है, पर, शिव नाडर को हुए नुकसान से तो लगता है, इस अनिश्चितता की सारी मार शिव नाडर की कम्पनियों पर आई है।
- मुकेश अंबानी की सम्पदा पर भी 3.42 डॉलर की मार आई, एशिया में सबसे अमीर मुकेश अंबानी, जो विश्व के सबसे अमीरों की लिस्ट में ऊपर रहते आए हैं, पर, अब वे लुढ़क कर विश्व के सबसे समृद्धों की सूची में 17वें नम्बर पर आ गये हैं। उनकी फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इण्डस्ट्रीज़ को इतना भारी नुकसान नहीं हुआ, पर, उनकी दूसरी बड़ी कंपनी जियो फायनैंशियल सर्विसेज़ की ''वैल्यू'' 24 प्रतिशत घटी।
- अडानी ग्रुप की कंपनियों की ''नैटवर्थ'' 6.05 बिलियन डॉलर की कमी आई तथा अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एन्टरप्राइजेज की वैल्यू 9 प्रतिशत घटी।
- जिंदल ग्रुप की मुखिया, सावित्री जिंदल को भी झटका लगा, उनकी कंपनी की वैल्यू में 2.4 बिलियन डॉलर का नुकसान आंका जा रहा है।
- सन फार्मा के मालिक दिलीप संघवी ने भी वर्तमान इकोनॉमिक उथल-पुथल में 3.4 बिलियन डॉलर खोये।
- नुकसान साधारण इन्वेस्टर को भी हुआ है तथा सैंसैक्स व निफ्टी में 4.5 प्रतिशत की टूट आयी है, विशेषकर मध्यम श्रेणी व लघु श्रेणी की कंपनियों में 14 प्रतिशत व 17 प्रतिशत टूट हुई शेयर की कीमतों में।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य सरकार मैडिकल कॉलेजों के रिक्त पद भरने की योजना बनाये

जयपुर, 14 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दो सप्ताह में यह बताने को कहा है कि राज्य सरकार के अधीन आने वाले मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पड़े पदों को भरने की क्या कार्य योजना है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि यदि किसी प्रकरण में अदालत की ओर से नियुक्ति पर रोक है तो उसकी अलग से स्पष्ट जानकारी दी जाए। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश महेन्द्र गौड़ की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह वास्तव में जनहित में है कि मेडिकल कॉलेजों में सभी संकाय भरे जाएं और शिक्षण कर्मचारियों की कमी के कारण शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

- हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि यह जनहित में है कि मैडिकल कॉलेजों के सभी संकाय भरे जाएं।

सुनवाई के दौरान, अदालती आदेश की पालना में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त शपथ पत्र पेश किया गया। शपथ पत्र में बताया गया कि प्रदेश में संचालित निजी मेडिकल कॉलेजों में खाली पद लगभग शून्य हैं। वहीं, राज्य सरकार और स्वायत्तशासी संस्थाओं की ओर से संचालित मेडिकल कॉलेजों में बड़ी संख्या में पद खाली चल रहे हैं। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से स्टालिन उत्साहित: वाइस चांसलरों की मीटिंग बुलाई

मीटिंग के मार्फत स्टालिन अब उन निर्णयों को उखाड़ना शुरु करेंगे, जो राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के चांसलर की हैसियत से लिये थे

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अप्रेल। राज्यपाल से चली लम्बी लड़ाई के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को अब उनसे बहला लेने और उच्च शिक्षा के क्षेत्र को हुए नुकसान की भरपाई करने का अवसर मिल गया है। इन संस्थाओं का राज्यपाल ने कुलाधिपति की हैसियत से भगवाकरण किया था।

मुख्यमंत्री ने उस नुकसान की भरपाई की शुरुआत करते हुये, बुधवार को सभी विश्वविद्यालयों के सभी उपकुलपतियों तथा रजिस्ट्रारों की एक मीटिंग राज्य सचिवालय में बुलाई है। अब इस अधिकार से वंचित हो जाने के बाद, राज्यपाल ठाले-बैठे रहने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते।

स्टालिन ने कहा कि विश्वविद्यालयों के चान्सलर होने की हैसियत से, राज्यपाल का लक्ष्य राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के की प्रतिष्ठा को चूर-चूर कर देना था तथा उन्होंने उच्च शिक्षा का भगवाकरण करके अनैतिकतापूर्ण राजनीति स्थापित कर दी थी। स्टालिन ने इसके विरूद्ध विधानसभा में विधेयक पारित कराये थे। आशा की जा रही है कि परामर्श के लिये बुधवार को होने वाली इस मीटिंग में, उच्च शिक्षण संस्थानों को भगवाकरण से मुक्त करने की प्रक्रिया की नींव रख दी जायेगी तथा राज्यपाल के आदेश पर हुई नियुक्तियों को रद्द किये जाने की संभावनाएं हैं।

सोमवार को राज्य सरकार द्वारा जारी की गई एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि बुधवार की मीटिंग का एजेंडा राज्य की उच्च शिक्षा में सुधार करने के विषय में होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिये थे कि विश्वविद्यालयों से संबंधित विभिन्न विधेयक, जो विधानसभा ने दोबारा भेजे हैं तथा राष्ट्रपति के पास लम्बित हैं, राष्ट्रपति की सहमति-प्राप्त माने जायेंगे। सर्वोच्च न्यायालय के

- स्टालिन के अनुसार, वे तमिलनाडु के विश्वविद्यालयों का भगवाकरण खत्म करेंगे, जो राज्यपाल आर.एन. रवि, ने विश्वविद्यालयों के चांसलर की भूमिका में शुरु कर रखा था।
- उदाहरण के लिये, राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलरों की नियुक्तियां की थीं।
- राज्यपाल आर.एन. रवि ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भारी जोर दिया था तथा नई नीति को क्रांतिकारी व बदलाव लाने वाली नीति बताया करते थे। पर, अब तमिलनाडु सरकार ने एक कमेटी गठित की है, जो प्रदेश की शिक्षा नीति का नया ड्राफ्ट तैयार करेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रामविलास पासवान के भाई व केन्द्रीय मंत्री रहे पारस ने एनडीए से नाता तोड़ा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अप्रेल। इस वर्ष के अन्त में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले, राज्य में राजनैतिक समीकरणों में भारी उलटफेर होना शुरु हो गया है। इसकी शुरुआत करते हुये राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के नेता पशुपतिनाथ पारस ने एनडीए छोड़ दिया है।

स्वर्गीय रामविलास पासवान के भाई तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री पारस ने अंबेडकर जयन्ती पर एनडीए को छोड़ने की विधिवत घोषणा कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा केन्द्रीय नेताओं पर प्रहार करते हुये, उन्हें ''दलित-विरोधी'' बताया है।

उन्होंने संसद में बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करने के मामले में गृहमंत्री अमित शाह का नाम लिया, साथ ही यह भी कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने ''दलित - केन्द्रित पार्टी'' होने के नाते, आरएलजेपी की उपेक्षा की तथा उसका अपमान किया।

भाजपा द्वारा एलजेपी के पारस गुट के मुकाबले, पासवान के बेटे के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट को खड़ा करने के कारण, पारस का एनडीए से सम्बंध विच्छेद अपेक्षित ही था।

जहाँ एलजेपी के संस्थापक राम विलास पासवान की मृत्यु के बाद, भाजपा पारस गुट के पक्ष में थी तथा उसने पारस को केन्द्रीय मंत्री तक बना दिया था, वहीं, लोकसभा चुनावों से पहले स्थितियाँ पूरी तरह उलट गईं तथा भाजपा ने चिराग गुट को अपने साथ ले लिया, तथा पारस के साथ सीट-शेयरिंग से साफ इनकार कर दिया, जबकि आरएलजेपी के 17 वीं लोकसभा में 5 सांसद थे। पारस ने कहा, ''हमने कोई अपराध नहीं किया था, लेकिन एनडीए ने हमारा परित्याग कर दिया। उस समय यह स्पष्ट हुआ कि हमारी उपेक्षा दलित-केन्द्रित पार्टी होने के कारण की जा रही है।'' पारस ने आगे कहा, ''संभवतः भाजपा दलित-विरोधी है।

पारस ने कहा कि एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद, उन्हें गठबंधन नेताओं की प्रमुख मीटिंगों से बाहर रखा गया। उन्होंने कहा, ''भाजपा और जेडीयू का मानना है कि बिहार में एनडीए के केवल 5 घटक दल हैं। एनडीए के घटक दल के रुप में मेरी पार्टी का नाम भी नहीं लिया गया।''

हालाँकि पारस ने अपनी भविष्य की योजना नहीं बताई, लेकिन संभावनाएं ऐसी हैं कि उनका रुख

- पारस ने कहा कि उनकी पार्टी, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी की लगातार अवहेलना हो रही है तथा उन्होंने मु.मंत्री नीतीश कुमार व केन्द्रीय नेताओं पर ''दलित विरोधी'' होने का आरोप भी लगाया।
- जब से भाजपा रामविलास पासवान के पुत्र चिराग को ज्यादा भाव दे रही थी, यह संभावना प्रबल हो गई थी कि पारस अब एनडीए छोड़ेंगे। अब संभवतया पारस आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन से जुड़ेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट के दखल पर सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति मिली

जयपुर, 14 अप्रैल। सफाई कर्मचारी-2018 में नियुक्ति से वंचित किए गए अभ्यर्थियों को राजस्थान हाईकोर्ट के दखल के बाद राहत मिली है। अदालत में याचिका दायर होने के बाद दिए निर्देश को लेकर विभाग ने याचिकाकर्ताओं के नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति मिलने पर अदालत ने मामले में दायर याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश हेमराज मीणा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अतिरिक्त महाधिवक्ता गिल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं के कार्यग्रहण के आदेश जारी हो चुके हैं।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं को सफाई कर्मचारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने अमेरिका पर पलटवार किया

अमेरिका को ''रेअर अर्थ'' खनिज व कैमिकल्स की सप्लाई भेजना स्थगित किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अप्रैल। अमेरिका व चीन के बीच चल रहे टैरिफ वॉर के बीच मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि बीजिंग ने वॉशिंगटन को मर्मस्थल पर करारी चोट दी है, चीन ने बहुत सारे बेहद महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का निर्यात रोक दिया है। ये तत्व कई आधुनिक हथियारों, इलैक्ट्रॉनिक्स वाहनों और विमानों और सेमीकंडक्टर कम्पनियों के लिए बेहद जरुरी हैं। इसके अलावा, कई उपभोक्ता वस्तुओं में भी इनका प्रयोग होता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक न्यूज़ रिपोर्ट कहती है कि चीन की सरकार निर्यात के लिए नया नियामक तंत्र विकसित कर रही है और चूंकि नीतियां बन रही हैं, इसलिए चुंबक के कई शिपमैंट्स चीन के बंदरगाहों पर रुके हुए हैं। चुंबक कार से लेकर मिसाइल तक हर चीज बनाने में प्रयुक्त होता है। एक बार नया नियामक तंत्र अस्तित्व में आ गया तो यह कुछ कम्पनियों को दुर्लभ खनिजों की सप्लाई स्थाई रुप से रोक देगा। इनमें अमेरिका मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर भी शामिल है, जिससे अमेरिका मिलिटरी -इंडस्ट्रियल कॉम्प्लैक्स पंगु हो जाएगा।

निर्यात पर रोक लगाना ट्रंप के टैरिफ वॉर पर चीन का जवाब है। चीन के इस कदम का लक्ष्य अमेरिका की कमज़ोरी पर वार करना है। दुर्लभ पृथ्वी तत्व पर चीन का एकाधिकार सा है। विश्व के दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का लगभग 90 प्रतिशत चीन के पास है। रक्षा, इलैक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और इलैक्ट्रॉनिक्स में काम आने वाले 17 दुर्लभ पृथ्वी तत्व चीन में ही मिलते हैं।

सात श्रेणी के मध्यम एवं भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्वों -सैमेरियम गैडोलिनीयम, टरवियम, डाइस्प्रोसियन, लुटेरियम, स्कैंडियम और यट्रियम को निर्यात नियंत्रण सूची में शामिल किया गया। अमेरिका पास दुर्लभ पृथ्वी तत्व की मात्र एक खान है और दुर्लभ खनिज की अधिकांश आपूर्ति यह चीन से करता है।

बीजिंग ने 2 अप्रैल को पृथ्वी तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, जो कि चीन पर टैरिफ बढ़ाने के ट्रंप के निर्णय के जवाब में उठाया गया चीन का कदम था। ट्रंप ने चीन के सामान पर तब 54 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, न केवल खनिजों, बल्कि चुंबक और अन्य तैयार सामान के निर्यात पर जो नियंत्रण लगाया गया है, उसे बदलना काफी मुश्किल है।

बीजिंग लम्बे समय से इसका संकेत दे रहा था और इस कदम से अमेरिका व चीन में तनाव और बढ़ सकता है और अमेरिकन कम्पनियां, जो दशकों से अपने उत्पादन के लिए इन तत्वों पर निर्भर हैं, वे भारी संकट में पड़ सकती हैं।

इन खनिजों और विशेष चुंबकों को विशेष निर्यात लाइसैंस के बाद ही बाहर भेजा जा सकेगा।

- ''रेअर अर्थ'' 17 खनिजों का समूह है, जो रक्षा, इलैक्ट्रिक वाहन, एनर्जी व इलैक्ट्रॉनिक्स इण्डस्ट्री में अति महत्वपूर्ण है और इनका कोई विकल्प नहीं है।
- चीन इन ''रेअर अर्थ'' मिनरल्स को निर्यात करने के लिये ''रेग्युलेटरी व्यवस्था'' विकसित कर रहा है। निर्यात करने के लिये लायसैंस जारी करेगा तथा बाद में इन मिनरल्स के निर्यात को प्रतिबंधित करने के लिये, कभी लायसैंस जारी करने कमी करके अमेरिका के रक्षा मंत्रालय से संबंध उद्योगों, नई टैक्नोलॉजी, जैसे इलैक्ट्रिक कार, आदि प्रोडक्ट बनाने वाली बड़ी कंपनियों का गला घोंट सकेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 14 अप्रैल। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ऋण धोखाधड़ी मामले में वांछित भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध पर बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) के हवाले से मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 65 वर्षीय चोकसी को शनिवार को हिरासत में लिया गया था और अभी वह बेल्जियम की जेल में है। सीबीआई ने चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था।

- भारत की बेल्जियम से प्रत्यर्पण संधि है इसलिए सरकार चोकसी के प्रत्यर्पण की कवायद में जुटी।

भारत की बेल्जियम के साथ प्रत्यर्पण संधि है, हालांकि चोकसी द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग करने की उम्मीद है। चोकसी और उसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीमांत शहर मुर्शिदाबाद की हिंसा ने कोलकाता को भी अब चारों तरफ से घेर लिया

भानगर, मिनाखान और बदनाम संदेश खाली में भी हिंसा व पुलिस वाहनों व सरकारी सम्पत्ति में आग लगाने का हिंसक क्रम पहुँचा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अप्रेल। प. बंगाल में मुसलमानों का हिंसक प्रदर्शन तेजी से फैल रहा है और कोलकाता के करीब पहुंच गया। गत सप्ताह सीमावर्ती जिले मुर्शिदाबाद में ही हिंसक प्रदर्शन था, पर मंगलवार को हिंसा व आगजनी कोलकाता के समीपवर्ती साउथ 24 परगना तक पहुंच चुकी थी।

गत सप्ताह के हिंसक हमले के पीछे संदेह है कि सीमा पार के जेहादी तत्वों ने हिंसा भड़काई थी। सोमवार को जो विरोध प्रदर्शन हुआ, वह नौशाद सिद्दीकी के संगठन आईएसएफ ने भड़काया था। यह व्यक्ति खुद को बंगाल में एक राजनैतिक ताकत के रुप में स्थापित करना चाहता है। पुलिस की गाड़ियाँ जला दी गई, घरों व दुकानों को लूटा गया। हिंसा फैलने के कारण मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से हिंदू पलायन कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति और उससे पहले वामपंथी दलों के 35 साल के कुशासन व तुष्टिकरण ने बंगाल को बारुद का ढेर बना दिया है। दोनों ने ही राज्य में सीमा पार से घुसपैठ को बढ़ावा दिया, जिससे राज्य का डैमोग्राफिक संतुलन बिगड़ गया है।

बंगाल में विभाजन से पहले के दिन लौट रहे हैं, क्योंकि मुस्लिम बहुल इलाके में हिंसा बढ़ रही है। अब पूरे राज्य में हिंसा फैल रही है।

विडम्बना यह है कि राज्य विधानसभा का एक मात्र मुस्लिम विधायक, जो अभी कोलकाता का मेयर है, उसने हिंसा को कमतर करके आंका और कहा कि हिंदू दूसरी जगहों पर जा रहे हैं, राज्य नहीं छोड़ रहे हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने राज्य में तुरंत केन्द्रीय बल तैनात करने की मांग की है, क्योंकि हिंसा रोकने में राज्य पुलिस पूरी तरह से विफल रही है।

मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में तृणमूल कांग्रेस के सर्वाधिक एक्टिव नेता की राशन की दुकान लूट ली गई। यह व्यक्ति तृणमूल से सम्बंधित संगठन राशन शॉप ओनर्स एसोसिएशन का

- पहले वामपंथियों द्वारा और अब तृणमूल कांग्रेस द्वारा प्रतिपादित मुस्लिम मतदाता के तुष्टीकरण की नीति, अब अपना विकराल रूप दिखा रही है। दोनों पार्टियों ने बाँग्लादेश से घुसपैठ को बढ़ावा दिया, अपने शासनकाल में, जिससे उनका वोट बैंक बढ़े।
- देश के बँटवारे के समय के दंगों की याद ताज़ा हुई, हिंदू जनसंख्या, घर छोड़-छोड़ कर पलायन कर रही है, किसी अन्य सुरक्षित स्थानों पर, मुख्यतया स्कूल बिल्डिंग्स में।
- एक तृणमूल नेता ने बेहूदी टिप्पणी की, कि हिंदू, बंगाल में अन्यत्र जा रहे हैं, बंगाल छोड़कर नहीं जा रहे।
- पहले दिन मुर्शिदाबाद में हुए दंगों को बाँग्लादेश से आये जिहादी तत्वों की करतूत बताया जा रहा था, पर, अब बंगाल में अन्यत्र, जैसे दक्षिण 24 परगना जिले में हिंसा फैलने से, यह बहाना नहीं दोहराया जा रहा, क्योंकि, साफ दिख रहा है, हिंसा के पीछे कौन लोग हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राम मंदिर के शिखर पर कलश स्थापना

अयोध्या, 14 अप्रैल। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर में सोमवार को ब्राह्मणों की उपस्थिति में वैदिक विधि-विधान के साथ मुख्य शिखर पर कलश स्थापित किया गया। यह पवित्र कार्य सुबह 9:15 बजे शुरू हुआ और 10:30 बजे शिखर पर कलश की स्थापना पूरी हुई। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि वैशाखी और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर यह कार्य संपन्न हुआ। अब मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजदंड स्थापना की प्रक्रिया शुरू होगी। मंदिर निर्माण प्रगति पर है।

- सुबह सवा नौ बजे से 10.50 के बीच विधिविधान से कलश स्थापना की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

संघीय ढांचे को पुनर्स्थापित करने वाला सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

जब भी सर्वोच्च न्यायालय की साख कुछ कमजोर होती दिखाई देती है, तो कुछ न्यायाधीश अपने निर्णय के द्वारा खोया हुआ विश्वास पुनः अर्जित कर लेते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि सर्वोच्च न्यायालय, सत्ता से समझौता करके उस की इच्छानुसार निर्णय करने लगा है। किंतु ,हाल ही में जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया है, वह संविधान में उल्लेखित भारत के संघीय ढांचे को मजबूत करने वाला है।

इस निर्णय को सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए विस्तार से इसकी पृष्ठभूमि का उल्लेख करना पाठकों के लिए उपयुक्त होगा।

वैसे तो सभी केंद्र सरकारें राज्यपालों का उपयोग अपने राजनैतिक स्वार्थ सिद्धि हेतु करती रही हैं, किंतु गत कुछ वर्षों से, जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्र में शासन करने लगी है, यह प्रवृत्ति अधिक देखी गई है। केंद्र सरकार, विभिन्न विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को अस्थिर करने या उनके काम में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करती रही है। ऐसा करने में उन्होंने राज्यपाल का उपयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे कई उदाहरण सामने है जब विभिन्न राज्यपालों ने चुनी हुई राज्य सरकारों को अस्थिर करने या उनके द्वारा लिए गए निर्णयों की क्रियान्विति में बाधा उत्पन्न करने का कार्य किया है । इनमें से कुछ उदाहरण निम्न हैं:–

केरल के तत्कालीन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य सरकार द्वारा दिए भाषण को विधानसभा में पढ़ने से मना कर दिया और अपनी ओर से कुछ हिस्से जोड़ दिए जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं था।

पश्चिम बंगाल के तत्कालीन गवर्नर जगदीप धनखड़ ने तो स्पष्ट रूप से केंद्र में सत्ताधारी दल भाजपा के एजेंट के रूप में कार्य किया और चुनी हुई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काम में बाधा पहुंचाई। भाजपा यह चाहती थी कि येन–केन–प्रकारेण, पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल की जाय। यह अलग बात है कि भाजपा पूरा जोर लगाने के बावजूद इस प्रयास में सफल नहीं हो पाई और अच्छे बहुमत के साथ ममता बनर्जी पुनः सत्ता में आईं और पुनः मुख्यमंत्री बनीं।

वर्ष 2016 में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के. के. पॉल ने हरीश रावत की कांग्रेस सरकार को बर्खास्त करने की सिफारिश की, जिसे केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति को भेजा। उनके अनुमोदन के बाद, हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। इस आदेश को हिमाचल प्रदेश के उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। उस समय वहां के मुख्य न्यायाधीश के एम जोसेफ की खंडपीठ ने राष्ट्रपति आदेश लगाने के निर्णय को निरस्त कर दिया। इसकी अपील सर्वोच्च न्यायलय में हुई। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को पुनः बहाल करते हुए एक निश्चित अवधि में सरकार को बहुमत सिद्ध करने को कहा। इस निर्णय से हरीश रावत ने पुनः मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। तत्पश्चात, हरीश रावत ने विधानसभा में अपना बहुमत सिद्ध कर दिया।

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे द्वारा दलबदल करने पर महाराष्ट्र विकास अगाड़ी की सरकार जो मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चल रही थी, उसे अल्पमत में मानते हुए ऐसी परिस्थिति पैदा कर दी कि उद्धव ठाकरे ने स्वयं ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। दल बदल करने वाले शिंदे गुट के विधायकों की सदस्यता समाप्त करने की बात को राज्यपाल कोशियारी द्वारा नहीं माना गया। इसके कारण शिंदे के मुख्यमंत्रित्व में नई सरकार महा युति की बनवा दी गई। विधायकों की सदस्यता निरस्त नहीं करने के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई, जहां लंबे समय तक सुनवाई नहीं हो पाई। जब सुनवाई हुई, तो सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट रूप से माना कि उद्धव ठाकरे की सरकार को हटाना अवैध और असंवैधानिक था। इसके बावजूद न्यायालय ने पुनः उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में इसलिए बहाल नहीं किया कि उन्होंने विधानसभा में शक्ति परीक्षण के पहले ही इस्तीफा दे दिया था। इस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिंदे की सरकार को असंवैधानिक मानने के बाद भी राज्यपाल के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई और शिंदे की सरकार को बने रहने दिया गया।

दिल्ली के उपराज्यपाल नजीब जंग और वी एन सक्सेना तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मध्य तो पूरे समय ही विवाद चलता रहा। जब सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार अपने आदेश से विभिन्न सेवाओं के कार्मिकों पर दिल्ली सरकार का प्रशासनिक नियंत्रण मान लिया, तो केंद्र सरकार ने कानून में ही बदलाव कर दिया। इसके कारण सेवाओं के अधिकारियों पर दिल्ली सरकार का प्रशासनिक नियंत्रण समाप्त हो गया।

इसी प्रकार, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा विधानसभा सत्र आहूत करने के लिए राज्यपाल को प्रस्ताव भेजा तो उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। मजबूरन, राज्य सरकार को अन्ततः सर्वोच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी, जिसने राज्यपाल को सत्र आहूत करने के निर्देश दिए।

जम्मू और कश्मीर में महबूबा मुफ्ती की चुनी हुई सरकार को राजपाल ने अल्प मत में होने की बात करते हुए, विधानसभा भंग कर के राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश कर दी। महबूबा मुफ्ती यह आरोप लगाती ही रही कि उन्हें बहुमत सिद्ध करने का समुचित समय नहीं दिया गया।

> **संविधान निर्माताओं ने कभी यह नहीं सोचा होगा कि राज्यपाल महीनों या वर्षों तक विधान सभा द्वारा पारित बिलों को रोककर रखेंगे। सामान्यतया, विधानसभा में कोई भी बिल पारित होने के बाद दो-तीन दिनों के अंदर राज्यपाल के हस्ताक्षर होकर सरकार को प्राप्त हो जाता है। सरकार की अधिघोषणा के बाद वह कानून का रूप ले लेता है।**

उपरोक्त सभी उदाहरणों से यह स्पष्ट है कि केंद्र सरकार राज्यपालों को अपने एजेंट की तरह इस्तेमाल करते हुए, विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने का एवं उनके कार्यों में बाधा डालने का कार्य करती रही है। यदि इन राज्य सरकारों द्वारा ऐसा कोई निर्णय लिया जाए जो केंद्र को पसंद नहीं हो तो उसे रोकने के लिए राज्यपाल के माध्यम से सभी प्रकार की बाधाएं राज्य सरकार के लिए उत्पन्न की जाती हैं। केंद्र सरकार की यह प्रवृत्ति, संविधान द्वारा प्रदत्त हमारे संघीय ढांचे पर चोट करती है ।

भारत राज्यों का संघ है और राज्यों और केंद्र के अधिकारों को स्पष्ट रूप से संविधान में उल्लेखित किया हुआ है। कानून बनाने के भी अधिकार विभिन्न विषयों पर अलग–अलग दिए गए हैं । सभी प्रकार के विषयों को तीन सूची में बांटा गया है केंद्रीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची । राज्य सूची में जो विषय सम्मिलित हैं उनके बारे में कानून बनाने का पूर्ण अधिकार राज्यों का है और विधानसभा द्वारा बिल पारित होने पर उसे औपचारिक रूप से राज्यपाल के पास सहमति हेतु भेजा जाता है । राज्यपाल द्वारा इस कार्य को समय पर न करने से और लंबे समय तक रोकने से ऊपर लिखित स्थितियां उत्पन्न हुई हैं ।

तमिलनाडु के राज्यपाल एन रवि पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं । उन्होंने सभी संवैधानिक प्रावधानों को ताक पर रखते हुए तमिलनाडु की सरकार द्वारा बनाए गए बहुत सारे महत्वपूर्ण बिलों को, जिन्हें विधानसभा ने पारित कर दिया था,पर अपनी सहमति नहीं दी। कुछ बिलों को जब विधानसभा को लौटा दिया गया तो उन्हें विधानसभा ने दोबारा पारित कर दिया। उसके बाद भी उन पर हस्ताक्षर नहीं किए और उन्हें राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित कर लिया। वहां भी लंबे समय ये तक लटके रहे । इनमें वह बिल भी था, जिसके द्वारा विश्विद्यालयों के कुलाधिपति पद पर राज्यपाल के स्थान पर सरकार के प्रतिनिधि को बनाने का प्रावधान किया गया था। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु सरकार के पास सर्वोच्च न्यायालय की शरण में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

सर्वोच्च न्यायालय ने 8 अप्रैल, 2025 को इस प्रकरण में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व निर्णय दिया है जिसमें न केवल राज्यपाल बल्कि राष्ट्रपति को भी एक प्रकार से यह सलाह दी है कि वह अनिश्चित काल तक विधानसभाओं द्वारा पारित बिलों को रोक कर नहीं रख सकते।

यह उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के अनुसार, विधानसभा द्वारा कोई बिल पारित होने के बाद राज्यपाल को सहमति हेतु भेजा जाता है, तो वे या तो सहमति प्रदान कर देंगे या अपनी टिप्पणी के साथ पुनः सरकार को भेज देंगे। इसके बाद छह माह में विधानसभा उस पर पुनःविचार कर उसी स्थिति में या संशोधन के साथ पारित कर, राज्यपाल को भेजेगी। इसके बाद राज्यपाल या तो सहमति प्रदान कर देंगे या अनुच्छेद 201 के अंतर्गत राष्ट्रपति को विचारार्थ भेजने हेतु आरक्षित कर लेंगे। फिर, राष्ट्रपति के निर्देश के अनुसार राज्यपाल उस पर सहमति देंगे।

उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 200 और 201 में निर्णय हेतु कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने एक माह की समय सीमा निर्धारित कर दी है। इसी प्रकार राष्ट्रपति से भी अपेक्षा की है कि वे अधिकतम तीन माह में अपना निर्णय दे दें।

संविधान ने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों के कार्य का विभाजन किया है और अपेक्षा की है कि सभी एक दूसरे के अधिकारों का सम्मान करेंगे। डॉ. अंबेडकर ने संविधान बनाते समय कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, उसे लागू करने वाले अच्छे नहीं होगें तो वह बुरा ही सिद्ध होगा। राज्यपालों द्वारा अपने कार्य व्यवहार से यही सिद्ध किया जा रहा है। इसी के फलस्वरूप अनिश्चितकाल तक बिल बिना निर्णय के पड़े रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद राज्यपालों के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। यह एक स्वागत योग्य निर्णय है जिसने संविधान की भावना को अक्षुण्ण रखने का कार्य किया है।

संविधान निर्माताओं ने कभी यह नहीं सोचा होगा कि राज्यपाल महीनों या वर्षों तक विधान सभा द्वारा पारित बिलों को रोककर रखेंगे। सामान्यतया, विधानसभा में कोई भी बिल पारित होने के बाद दो–तीन दिनों के अंदर राज्यपाल के हस्ताक्षर होकर सरकार को प्राप्त हो जाता है। सरकार की अधिघोषणा के बाद वह कानून का रूप ले लेता है।

राज्यपाल द्वारा अनिश्चितकाल तक बिलों को रोके रखने के कारण, तमिलनाडु सरकार द्वारा लिए गए निर्णय जनता के लिए लागू नहीं हो पा रहे थे। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की और इसकी विस्तृत सुनवाई के पश्चात एक ऐतिहासिक निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पारदीवाला और न्यायाधीश महादेवन ने 8 अप्रैल, 2025 को दिया है । निर्णय के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल के पास लंबित बिलों को राज्यपाल द्वारा अनुमोदित मान लेने के निर्देश दिए हैं । राज्य सरकार ने इसकी अनुपालना में विज्ञिप्त जारी करके, बिना राज्यपाल के हस्ताक्षर के ही, इन्हें कानून के रूप में अधिघोषित कर दिया ।

आशा की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय के बाद, राज्यपाल अपनी संवैधानिक मर्यादा को ध्यान में रखकर काम करेंगे न कि केंद्र में सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता के रूप में। ऐसे करके ही वे संघीय ढांचे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर पाएंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

साहित्य और साहित्यकार ही समाज को दिशा दे सकते हैं : प्रो. घासीराम वर्मा

प्रयास संस्थान ने साहित्यिक उपलब्धियों के लिए छह लेखकों को सम्मानित किया

प्रयास संस्थान की ओर सूचना केंद्र चूरू में आयोजित समारोह में छह लेखकों को सम्मानित किया गया।

■ 'घासीराम वर्मा साहित्य पुरस्कार'' वर्ष 2022 के लिए सवाई माधोपुर के विनोद पदरज को कविता संग्रह ''आवाज अलग-अलग हैं'' के लिये दिया गया

चूरू/जयपुर। प्रयास संस्थान की ओर सूचना केंद्र चूरू में आयोजित समारोह में इक्कावन हजार राशि का ''घासीराम वर्मा साहित्य पुरस्कार'' वर्ष 2022 के लिए सवाई माधोपुर के विनोद पदरज को कविता संग्रह ''आवाज अलग–अलग हैं'', 2023 का फतेहपुर में जन्में विख्यात कवि, गीतकार कृष्ण कल्पित को कृति ''रेख्ते के बीज और अन्य कविताएं'', वर्ष 2024 को जयपुर निवासी जितेंद्र भाटिया को कृति ''कांक्रीट के जंगल में गुम होते शहर'' को प्रदान किया गया। समारोह में ग्यारह हजार रुपये का ''रूकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार'' वर्ष 2022 के लिए डूंगरपुर के हर्षिल पाटीदार को, वर्ष 2023 के लिए भोजाण–राजगढ़ की डिंपल राठौड़ को एवं 2024 का जयपुर के मेवाराम गुर्जर को प्रदान किया गया।

आयोजित हिंदी साहित्य पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि प्रख्यात साहित्यकार ममता कालिया थी। मुख्य वक्ता साहित्यकार भगवानदास मोरवाल और अध्यक्षता अठानवे वर्षीय शिक्षाविद् प्रो. घासीराम वर्मा ने की। इस अवसर पर ममता कालिया ने कहा कि हिंदी साहित्य का परिदृश्य आज बहुत उत्साहजनक नहीं है। प्रकाशन संकट हिंदी के सामने सबसे बड़ा संकट है। अच्छी रचनाएं प्रकाशन का इंतजार करती रह जाती हैं तो वहीं प्रकाशक लेखकों से पैसे लेकर चुनिंदा प्रतियां प्रकाशित कर वाहवाही लूटते हैं। सरकारी खरीद और बाजार की अपनी परिभाषाएं हो गई हैं। कृति आज प्रतिकृति से पराजित हो रही हैं। मुख्य वक्ता साहित्यकार भगवानदास मोरवाल ने कहा कि सामाजिक और सांस्कृतिक सौहार्द्र के जरूरत वाले इस समय में लेखकों पर बड़ा दायित्व है। समारोह के अध्यक्ष अठानवे वर्षीय शिक्षाविद् प्रो. घासीराम वर्मा ने कहा कि साहित्य और साहित्यकार ही समाज को दिशा दे सकते हैं।

समारोह में स्वागत भाषण एवं साहित्यकारों का परिचय प्रो. एचआर ईसराण ने दिया। डॉ. एमपी बुडानिया, रामेश्वर प्रजापति, ओमप्रकाश तंवर, रामरतन सिहाग, डॉ. रामकुमार घोटड़, सुधींद्र सुधी, राजीव बहड़, रियाजत अली, नसीम बानो, अभिनव सरोव, अंजू नेहरा, विकास मील, सददाम हुसैन, जमील चौहान, लालचंद सैनी, सत्यनारायण बाकोलिया, राजेंद्र कसवां, डॉ. विशाल विक्रम, श्यामसुंदर शर्मा, विजयकांत शर्मा, विवेकदीप बौद्ध, ज्योत्सना राठौड़, रूकमानंद भाकर, गीता रावत, केआर पाटवाल, मोहनलाल अर्जुन, राधेश्याम कटारिया, जगदीश पंवार, पंकज शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने दिया। संचालन साहित्यकार उम्मेद गोठवाल ने किया।

वरिष्ठ अध्यापक की पांच, व्याख्याताओं की तीन सत्रों की पदोन्नति बकाया

सूत्रों के अनुसार पदोन्नति समय पर नहीं होने से राज्य में माध्यमिक शिक्षा विभाग में अध्यापक से लेकर प्रधानाचार्य तक के करीब 69433 पद रिक्त हैं

■ शिक्षक नेताओं का कहना कि बिना पर्याप्त शिक्षकों के स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है

■ इसका खामियाजा सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है

श्रीगंगानगर, (निसं)। शिक्षा विभाग में हाल ही में उपप्रधानाचार्य से प्रधानाचार्य व दो सत्रों 2021–22 व 2022–23 की वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता और उप प्रधानाचार्य से प्रधानाचार्य की पदोन्नति के उपरांत पदस्थापन आदेश जारी हुए हैं, लेकिन राज्य के सबसे बड़े शिक्षा विभाग में 1 अप्रैल से अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक की सत्र 2021–22 से 2025–26 तक व वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदों पर तीन सत्रों 2023–24 व 2024–25 और 2025–26 की पदोन्नति बकाया हो गई है। अब देखने वाली बात यह है कि शिक्षा विभाग यह बकाया पदोन्नति करवाने के लिए कब सुध लेगा।

सूत्रों के अनुसार पदोन्नति समय पर नहीं होने से राज्य में माध्यमिक शिक्षा विभाग में अध्यापक से लेकर प्रधानाचार्य तक के करीब 69 हजार 433 पद रिक्त हैं। इसका खामियाजा सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों छात्र–छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। राज्य के सभी सेकंडरी स्कूलों को उमा स्कूलों में क्रमोन्नत करने से सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का पहले से ही टोटा है। इस बीच पदोन्नति अटकने से समस्या और बढ़ गई है। राज्य में क्रमोन्नत उच्च माध्यमिक स्कूलों में भी व्याख्याताओं की कमी बनी हुई है। मार्च 2022 में 3 हजार 834 स्कूलों को माध्यमिक से उच्च माध्यमिक में और बाद में 1 हजार 825 स्कूलों को उच्च प्राथमिक से उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत किया गया। इस प्रकार सरकारी विद्यालयों के नामांकन में गिरावट का खतरा भी मंडरा रहा है।

शिक्षक नेताओं का कहना कि बिना पर्याप्त शिक्षकों के स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के स्कूल इससे अधिक प्रभावित हैं, जहां पहले से ही संसाधनों की कमी है। पिछले तीन सत्रों में कुल करीब 6 हजार विद्यालय उच्च माध्यमिक स्तर पर क्रमोन्नत किए गए, लेकिन अब तक इनमें व्याख्याता पदों की स्वीकृति नहीं दी गई है। प्रति विद्यालय न्यूनतम 3 व्याख्याता पद मानें तो करीब 18 हजार पदों की स्वीकृति लंबित है। शिक्षक नेताओं का कहना कि पदोन्नति के चक्कर में सैकड़ों शिक्षकों ने तबादला भी नहीं कराया, क्योंकि वरिष्ठ अध्यापक का अंतर मंडल तबादला होने से वरिष्ठता खत्म हो जाती हैं। वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती व 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति से भरने का नियम हैं।

मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा, राजस्थान का कहना है कि अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक व वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता की बकाया पदोन्नतियों को बेवजह अटकाया जा रहा है। विभाग में वरिष्ठ अध्यापक की पांच व व्याख्याताओं की तीन सत्रों की पदोन्नति बकाया चल रहीं हैं। बकाया पदोन्नति जल्द करनी चाहिए जिससे राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को शिक्षक मिल सके।

निजी स्कूल संचालक थोप रहे महंगी किताबें, शिक्षा विभाग मौन

■ स्थिति यह है कि एक अभिभावक को एक बच्चे के लिए लगभग पांच हजार रुपए की किताबें खरीदनी पड़ रही हैं

■ निजी स्कूल संचालक मनमर्जी से पब्लिशर चुनते हैं और उन्हीं की किताबें खरीदने के लिए अभिभावकों को मजबूर करते हैं

बीकानेर, (निसं)। शहर के निजी स्कूलों में किताबों के नाम पर अभिभावकों की जेब पर हर साल हजारों का डाका डाला जा रहा है। स्कूल संचालक मनमर्जी से पब्लिशर चुनते हैं और उन्हीं की किताबें खरीदने के लिए अभिभावकों को मजबूर करते हैं। शिक्षा विभाग इन पर कार्रवाई करने के बजाय तमाशबीन बना बैठा है। शिक्षा विभाग इस अवैध मुनाफाखोरी पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

शिक्षा का अधिकार कानून जहां एक ओर बच्चों को समान और किफायती शिक्षा की गारंटी देता है, वहीं दूसरी ओर निजी स्कूल संचालक इस कानून की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। शहर के अधिकांश निजी स्कूलों में कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों के लिए महंगी और गैर–मान्यता प्राप्त पब्लिशरों की किताबें थोप दी जाती हैं। स्थिति यह है कि एक अभिभावक को एक बच्चे के लिए लगभग 5000 रुपए की किताबें खरीदनी पड़ रही हैं, जो कई सरकारी या राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की किताबों से कई गुना महंगी हैं। किताबें स्कूल के तय दुकान या स्टॉल से ही खरीदने का दबाव बनाया जाता है। शिक्षा विभाग इस अवैध मुनाफाखोरी पर चुप है।

अम्बेडकर जयंती पर शोभायात्रा निकाली

छबड़ा, (निसं)। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में आस–पास के गांवों से भी लोग शामिल हुए। इस अवसर पर जगह–जगह स्वागत द्वार सजाकर पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत–सत्कार किया गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर समन्वय संघर्ष समिति अध्यक्ष मंजू मीणा व संजय मेघवाल के अनुसार गायत्री मंदिर से शोभायात्रा शुरू हुई, जो धरनावदा चौराहा, आजाद सर्किल, अहिंसा सर्किल होती हुई अंबेडकर सर्किल पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ संपन्न हुई। शोभायात्रा में बाबा साहेब की युवावस्था की जीवंत झांकी शामिल हुई। इसी के साथ–साथ संविधान किताब, ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई फूले, महात्मा बुद्ध, भगवान बिरसा मुंडा की जीवंत झांकी भी शामिल रही। मार्ग में जगह–जगह विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं व सर्वदलीय जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत द्वार सजाकर पुष्प वर्षा, जलपान व आतिशबाजी कर स्वागत–सत्कार किया।

श्रीगंगानगर में पौने तीन लाख पौधे लगाने की तैयारी

■ हर ग्राम पंचायत में नर्सरी स्थापित होगी, जिम्मेदारियां सौंपी गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में हरियाली को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण को साकार रूप देने के लिए मनरेगा के अंतर्गत एक महत्त्वाकांक्षी योजना पर कार्य शुरू हो चुका है। इसके तहत श्रीगंगानगर जिले की सभी 343 ग्राम पंचायतों में स्थानीय स्तर पर पौधशालाएं (नर्सरी) स्थापित की जाएंगी और 2,73,000 पौधे तैयार कर उन्हें रोपा जाएगा।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरधर ने बताया कि इस योजना के तहत सभी पंचायत समितियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि 15 मई तक पौधों की तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इसके साथ ही रोपे गए पौधों की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए ट्री गार्ड की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि हर पौधा सुरक्षित रूप से पनप सके।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पौधारोपण कार्यक्रम को पारदर्शिता और प्रभावशीलता देने के लिए हर पौधे और नर्सरी की जियो टैगिंग की जाएगी। इसके लिए हरियालो राजस्थान ऐप का उपयोग किया जाएगा।

यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करेगी कि न सिर्फ पौधों की संख्या दर्ज हो, बल्कि उनकी स्थिति, देखरेख और प्रगति पर भी निगरानी रखी जा सके। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ ग्रामीणों को स्थानीय रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से भी अहम है। नर्सरी निर्माण, पौधों की देखभाल और ट्री–गार्ड लगाने जैसे कार्यों में बड़ी संख्या में श्रमिकों को रोजगार मिलेगा।

सीईओ गिरधर ने बताया 'जिले की हर ग्राम पंचायत में पौधशाला तैयार करने की दृष्टि से यह कार्य योजना तैयार की गई है। पौधों के साथ–साथ उनकी देखभाल की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि लगाए गए पौधे स्वस्थ और सुरक्षित रूप से विकसित हों।

राशिफल मंगलवार 15 अप्रैल, 2025

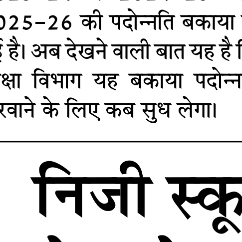

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 3:10 तक, सिद्धि योग रात्रि 11:32 तक, गर करण दिन 10:56 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 8:27 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मेष, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 10:56 तक है। राजयोग रात्रि 3:10 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 12:07 से आरम्भ होगी। आज वैशाखादि (बंगाल), वैशाख विहु और विगुविधु (आसाम) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:17 से 10:52 तक, लाभ–अमृत 10:52 से 2:02 तक, शुभ 3:37 से 5:12 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:47

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय प्राप्त होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

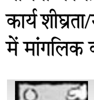

मिथुन

व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

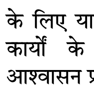

कर्क

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

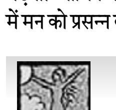

सिंह

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

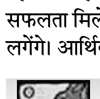

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

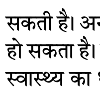

वृश्चिक

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आज व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

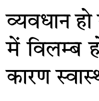

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कोटा में फैकल्टीज अब हॉस्टल्स में जाकर स्टूडेंट्स को दे रहे संबल

कोटा, (निसं)। कोचिंग सिटी कोटा में कोटा केयर्स अभियान के तहत जिला प्रशासन के साथ कोटा स्टूडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के निर्देशन में विद्यार्थियों की मानसिक और भावनात्मक सेहत के लिए भी कोटा शहर को रोल मॉडल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कोटा केयर्स में नई पहल के तहत अब एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की टॉप फैकल्टीज क्लासरूम्स और कोचिंग सेंटर की सीमाओं से बाहर निकलकर सीधे छात्रों के हॉस्टल्स तक पहुंच रही हैं। इस पहल का उद्देश्य केवल एकेडमिक गाइडेंस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों की केयरिंग को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। फैकल्टीज हॉस्टल्स में जाकर छात्रों से रूबरू हो रही हैं, उनकी समस्याएं सुन रही हैं, समाधान दे रही हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। यह विशेष अभियान आगामी 4 मई को नीट परीक्षा में शामिल होने जा रहे परीक्षार्थियों के लिए शुरू किया गया है।

- **कोटा केयर्स के तहत शहर में केयरिंग की नई पहल**
- **40 फैकल्टीज ने 300 से अधिक हॉस्टल्स विजिट किए**

कोटा में फैकल्टीज हॉस्टल्स में जाकर स्टूडेंट्स से चर्चा कर रही है।

सेशन विशेष रूप से जवाहर नगर, लैंडमार्क सिटी और अन्य प्रमुख छात्र आवासीय क्षेत्रों में किए जा रहे हैं।

एलन की इस विशेष टीम में शामिल 40 अनुभवी फैकल्टीज को प्रतिदिन 2-2 के समूहों में विभाजित किया गया है, जो रोजाना 20 से अधिक हॉस्टल्स का दौरा कर रहे हैं। ये सेशन्स करीब एक से सवा घंटे के होते हैं, जिसमें स्टूडेंट्स अपनी हर तरह की समस्या शेयर कर सकते हैं। इन विजिट्स के दौरान फैकल्टीज न केवल छात्रों से मिलकर उन्हें व्यक्तिगत और हॉस्टल संबंधी समस्याओं के लिए भी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। छात्रों के अनुसार, यह पहल उनके लिए काफी राहत देने वाली साबित हो रही है।

आमतौर पर परीक्षा के समय कई छात्र मानसिक रूप से अकेलापन महसूस करते हैं, लेकिन जब उनके अपने शिक्षक उनसे हॉस्टल में मिलते हैं और बिना किसी औपचारिकता के बातें करते हैं, तो वे खुद को और अधिक सुरक्षित और प्रेरित महसूस करते हैं। इस पहल के पीछे एलन का उद्देश्य सिर्फ पढ़ाई कराना ही काफी नहीं, बल्कि छात्रों का समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। फैकल्टीज छात्रों से वन-टू-वन बातचीत कर रहे हैं, उन्हें परीक्षा से पहले तनाव प्रबंधन की तकनीकें सिखा रहे हैं और विश्वास दिला रहे हैं कि वे अकेले नहीं हैं। यदि किसी छात्र को परीक्षा को लेकर डर, घबराहट या थकान महसूस हो रही है, तो फैकल्टीज उन्हें विशेष सलाह भी दे रहे हैं।

सार-समाचार

डॉ.अंबेडकर नगर से नई दिल्ली के लिए नई ट्रेन

कोटा, (निसं)। देश में रेल संपर्क सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप और भारतीय संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार 13 अप्रैल 2025 को नई रेलगाड़ी डॉ.अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन, जो मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्यों को भारत की राजधानी नई दिल्ली से सीधे जुड़ने की सौगात मिली। इस अवसर पर अध्यक्ष, लोकसभा ओम बिरला द्वारा रविवार 13 अप्रैल 2025 को डॉ.अम्बेडकर नगर एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर डॉ.अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ कर हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान नई ट्रेन डॉ. अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डॉ.अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन से महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, सांसद उज्जैन अनिल फिरोजिया, सांसद इंदौर शंकर लालवानी एवं राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार उपस्थित रहे। इनके अलावा कोटा एवं डॉ.अम्बेडकर नगर शहर के अन्य सांसदों/विधायकों और शहरों के गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनसमूहों के रूप में मौजूद रहते हुए कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान कोटा रेलवे स्टेशन से पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मण्डल से मण्डल रेल प्रबंधक एवं डॉ.अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन से पश्चिम मध्य रेल के रतलाम मण्डल से मण्डल रेल प्रबंधक सहित दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

निःशुल्क अस्थि घनत्व जांच एवं एनीमिया मुक्त शिविर संपन्न

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा एवं बरथूनिया फिटनेस क्लब और बरथुनिया नर्सिंग होम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को निशुल्क अस्थि घनत्व तथा एनीमिया जाँच व परामर्श शिविर का आयोजन रोटरी बिनानी सभागार में किया गया। क्लब अध्यक्ष मुकेश व्यास ने डॉ.सौरभ बरथूनिया (फिटनेस एक्सपर्ट) एवं डॉ. निधि बरथुनिया (वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ) माला एवं उपरना पहनाकर उनका स्वागत किया। शिविर के आरम्भ होने से पहले डॉक्टर्स द्वारा हड्डियों की मजबूती एवं देखभाल महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। क्लब सचिव घनश्याम मूंदड़ा ने बताया कि इस शिविर में सुबह से ही महिलाओं और पुरुषों का आना-जाना लगा रहा। जिसमें लगभग 200 से अधिक लोगों ने अस्थि घनत्व की जाँच कराई। उनकी रिपोर्ट के आधार पर उन्हें डॉक्टर्स से परामर्श करके उनकी डाईट के बारे में बताया गया। क्लब अध्यक्ष मुकेश व्यास ने बताया कि पूरे भारत में रोटरी द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत शिविर लगाया गया है। जिसमें 200 से अधिक लड़कियों, महिलाओं एवं पुरुषों की हीमोग्लोबिन की जाँच की गई। तय मानकों से कम हीमोग्लोबिन पाए जाने वाले लड़कियों और महिलाओं को आयरन और अन्य दवाई निःशुल्क वितरित की गई। डॉ. निधि बरथुनिया ने महिलाओं को उचित परामर्श दिया। शिविर के दौरान पीडीजी सीएम बिरला, जयंत उपाध्याय, अनुपम शर्मा, रीना शर्मा, लक्ष्मण सिंह खींची, शैलेन्द्र सिंह सोमवंशी, मनीषा व्यास, डॉ नीरल बरथुनिया एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कुछ छात्रों के परीक्षा केंद्र मे परिवर्तन

छबड़ा (निसं)। अमरचंद राजकुमारी बरडिया जैन विश्व भारती महाविद्यालय में बीए प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की 15, 17, 21 अप्रैल को होने वाली परीक्षा में द्वितीय व तृतीय पारी के कुछ छात्रों के परीक्षा केंद्र मे परिवर्तन किया गया है। प्राचार्य एवं केंद्राधीक्षक डॉ. आरसी मीणा के अनुसार बीए प्रथम सेमेस्टर 15 अप्रैल को हिंदी साहित्य विषय की द्वितीय पारी 11 से 2 बजे वाली पारी के रोल नम्बर 354466 से 357347 तथा रोल नम्बर 25137162 से 25137736 तक व तृतीय सेमेस्टर तीसरी पारी के 3 से 6 मे रोल नम्बर 306207 से 355743 तक, 17 अप्रैल को बीए प्रथम सेमेस्टर के भूगोल विषय की द्वितीय पारी 11 बजे 2 बजे तक के रोल नम्बर 354322 से 355940 तक, 21 अप्रैल को सामान्य हिंदी विषय की 11 से 2 बजे वाली पारी के रोल नम्बर 354471 से 356927 तक तथा रोल नम्बर 25137161 से 25137746 तक के, तृतीय सेमेस्टर के तृतीय पारी मे पर्यावरण अध्ययन के रोल नम्बर 306207 से 355297 तक के परीक्षार्थियों को उच्च माध्यमिक विद्यालय छबड़ा (सेंट्रल बैंक के सामने) मे होगी।

स्टेशन अग्रवाल महिला मंडल के चुनाव में शशि गोयल को अध्यक्ष चुना गया

कोटा, (निसं)। स्टेशन अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष पद पर शशि गोयल को चुना गया। साथ ही, महामंत्री ऋचा गोयल एवं कोषाध्यक्ष चंद्रकला मित्तल का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इससे पहले स्टेशन महिला मंडल की निर्मला अग्रवाल, गायत्री मित्तल, अंजली गुप्ता, अनीता गर्ग एवं सुनीता अग्रवाल, संरक्षक गायत्री मित्तलके सानिध्य में बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष शशि गोयल ने बताया कि संगठन की समस्त महिला शक्ति को साथ लेकर चलूंगी। वर्ष में कुछ नया करने का सोच लेकर कार्य संपन्न किए जाएंगे। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन जिला कोटा के अध्यक्ष राजेश मित्तल, महामंत्री राजेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र गर्ग, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, महिला अध्यक्षा गायत्री मित्तल, महामंत्री रीना मित्तल, युवा अध्यक्ष मुकेश जैन सहित समस्त पदाधिकारियों ने बधाई शुभकामनाएं दी। बैठक में महिला पदाधिकारियों में मुख्य रूप से रमा अग्रवाल, अनीता बंसल, अमिता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, इंद्रा सिंघल, मंजू बंसल उपस्थित रही।

दो गुटों के झगड़े का वीडियो वायरल

कोटा, (निसं)। शहर के जवाहर नगर इलाके में सोमवार तकड़े दो गुटो में झगड़े का मामला सामने आया है, जिसका विड़ियो सोशल मिडिया पर भी वायरल हो रहा है। हालांकि इस मामले में पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी भी पक्ष की तरफ से कोई भी मामला दर्ज नही हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जवाहर नगर इलाके में सोमवार तडके 5 बजे करीब कुछ जने चाय की थड़ी और पोहे का ठेला लगाने की तैयारी कर रहे थे उसी समय कुछ युवक हाथ में लाठियां लेकर आते है और दूसरे गुट के युवकों से उलझ गये और फिर लाठियों से हमला कर दिया।

सिंघवी ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शिरकत की

छबड़ा (निसं)। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने शंकर कॉलोनी चांचौडा में 11 रुद्र कुंडीय महायज्ञ व शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शिरकत कर धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। यहां सिंघवी ने धर्म के मार्ग पर चलने, कुरूतियो को त्यागने, खुद को आध्यात्म से जोडने के लिए आव्हान किया। यहां भाजपा नेता हिम्मत सिंह सिंघवी, प्रधान हरिओम नागर, भाजपा पूर्व नगर अध्यक्ष सीपी गेरा, श्याम कचनारिया, विमल जैन, रितेश शर्मा, हरिओम गौड़, कमल यादव, गौरव सेन आदि मौजूद थे। यहां आयोजको द्वारा विधायक सिंघवी का स्वागत सम्मान किया।

पर्वता हनुमान जी का हुआ श्रृंगार

कोटा, (निसं)। पर्वता हनुमान जी मंदिर बजरंग दालमील रोड कोटड़ी कोटा पर हनुमान जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें हनुमानजी का विशेष श्रृंगार किया गया, उन्हें भोग लगाया गया, चोला चढ़ाया गया और विशाल जागरण का आयोजन किया गया जिसमें देर रात तक भक्त हनुमानजी के भजनों पर थिरकते रहे। श्री हनुमान जयंती महोत्सव के तहत विशाल आम-भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ली। इस दौरान बजरंगबली के जयकारे गुंजाएमान रहे।

सीएम आदित्यनाथ से मिले सिंघवी

छबड़ा (निसं)। छबड़ा विधायक व पूर्व मंत्री प्रतापसिंह सिंघवी ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर पहुंच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से षिश्टाचार मुलाकात की। यहां सीएम ने राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। सिंघवी ने कहा कि सीएम आदित्यनाथ के नेतृत्व, जनसेवा व राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण ने देष का नई दिशा दी है।

राजकुमार गोयल अध्यक्ष बने

बूंदी (निसं)। शहर के सिलोर रोड स्थित अग्रवाल सेवा सदन में रविवार शाम को लंका गेट व्यापार संघ की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने युवा व्यवसायी राजकुमार गोयल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। देशभर में 14 से 20 अप्रैल तक मनाए जा रहे अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह की शुरुआत सोमवार को श्रीनाथपुरम फायर स्टेशन से एक जागरूकता रैली के आयोजन के साथ की गई। इस अवसर पर कोटा दक्षिण नगर निगम आयुक्त अनुराग भार्गव एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली से पूर्व फायर स्टेशन परिसर में 1944 के मुंबई अग्निकांड में शहीद हुए 67 अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मौजूद सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन ने दो मिनट का मौन रखकर उन वीरों के प्रति सम्मान व्यक्त किया, जिन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए प्राणों की आहुति दी। कार्यक्रम के दौरान जय बाईसा राज राजपूताना संस्था की संस्थापक हेमलता सिंह गहलोत एवं संस्था सचिव हेमलता हाड़ा ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास को संस्था का प्रतीक चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने सभी अग्निशमन कर्मियों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान को सराहा और 'अग्नि वीरों' को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह के तहत विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर वितरित

कोटा में दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर दी गई है।

कोटा, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं समरसता के प्रतीक बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर कोटा में न्यायालय चौराहे स्थित प्रतिमा स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित कर विशेष योग्यजनों के लिए सहानुभूतिपूर्ण और सशक्तिकरण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट 2024-25 में की गई घोषणा के तहत जिले के मांसपेशीय दुर्विकार से पीड़ित दो जुड़वां दिव्यांग भाईयों को इलेक्ट्रिक पॉवर व्हीलचेयर प्रदान की गई। यह पहल विशेष योग्यजनों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कार्यक्रम में कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा ने दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान कर कहा कि यह योजना दिव्यांगजनों के जीवन को न केवल सुविधाजनक बनाएगी, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में भी मदद करेगी।

संयुक्त निदेशक सविता कृष्णिया ने बताया कि जिले के अन्य चिन्हित 20 दिव्यांग लाभार्थियों को भी शीघ्र ही इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर वितरित की जाएगी।

भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती मनाई

कोटा, (निसं)। भारतरत्न, संविधान निर्माता बाबा साहब बी.आर.अम्बेडकर की जयंति पर शहर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये है। संविधान निर्माता भारत रत्न महाराव भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर सोमवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शहर अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी की अगुवाई में कांग्रेसजनों ने कलेक्ट्री चौराहे स्थित आंबेडकर मूर्ति पर कांग्रेसजनों ने माल्यार्पण कर वहीं पर गोष्ठी का आयोजन किया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी ने कहा कि भीमराव अंबेडकार ने संविधान का निर्माण कर देश को नई दिशा दी उन्होंने समाज की कुरूतियों को खत्म कर देश में छुआछूत ऊंच-नींच का भेदभाव दूर करने, दलित, महिलाओं, देश में गरीब, किसान, शिक्षा का उत्थान का करने काम किया अखिल भारतीय बैरवा महासभा कोटा द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया गया।

महासभा के जिला संयोजक राम रतन बैरवा ने बताया कि इस मौके पर बाबा साहब के तीन सिद्धांत संगठित रहों, शिक्षित बनों और संघर्ष करों पर चलने का आव्हान किया गया।

डीसीएम रोड़ स्थित शिवाजी पार्क में मॉर्निंग क्लब टीम द्वारा भारत रत्न भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया अंबेडकर जयंती कार्यक्रम के संयोजक कैप्टन सुरेश वाल्मीकि ने बताया कि सभी सदस्यों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की मॉर्निंग क्लब के अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित ने अपने उद्बोधन में बताया कि अंबेडकर विद्वान विधि-वक्ता अधिवक्ता राजनीतिक के गुणों से परिपूर्ण थे। उन्होंने अपने जीवन में तीन बातें बताई कि शिक्षित बनों संघर्ष करों और संगठित रहों। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर भाजपा शहर कोटा द्वारा अदालत चौराहा पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर मंचस्थ पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को एवं कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

'जल मंदिर प्रकल्प' के तहत दो नवीन प्याऊ का लोकार्पण

कोटा, (निसं)। भारत विकास परिषद्, विवेकानंद शाखा द्वारा 'जल मंदिर प्रकल्प' के अंतर्गत भवानीमंडी नगर के विभिन्न व्यस्ततम क्षेत्रों में जनसेवा हेतु जल मंदिरों (प्याऊ) की स्थापना की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को दो नवीन जल मंदिरों का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रथम जल मंदिर का लोकार्पण डॉ.एम.एल. आहूजा के सौजन्य से आहूजा हॉस्पिटल के बाहर किया गया। इस अवसर पर फीता काटकर जल मंदिर का शुभारंभ डॉ.एम.एल.आहूजा, गोविंद भराड़िया, मनोज अग्रवाल एवं श्याम चौधरी द्वारा किया गया।

द्वितीय जल मंदिर का उद्घाटन कोटा स्टोन इंडस्ट्रीज़ वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से इंडस्ट्रियल एरिया में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अरुण गर्ग, एसएसआई अध्यक्ष सीटू होरा, गुरु सिंह सभा अध्यक्ष प्रितपाल होरा, एवं भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष हेमराज शर्मा द्वारा फीता काटकर जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिषद् के सचिव आदित्य नाहर के साथ-साथ परिषद् के सक्रिय सदस्य मनोज अग्रवाल, डी.के. गुप्ता, उमाशंकर पोरवाल, श्याम चौधरी, प्रदीप शर्मा, परमजीत सिंह, ओम शर्मा, सुमित सिंह छाबड़ा, नंदलाल व्यास, तथा कोटा स्टोन वेलफेयर सोसाइटी के अरुण गर्ग, सौरभ बंसल, मनीष जाखेतिया, पंकज पांडे, एवं बृजेश खंडेलवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

यह जल सेवा, भारत विकास परिषद् की मूल भावना सेवा, संस्कार, सहयोग और समर्पण का सजीव उदाहरण है। परिषद् का यह सतत प्रयास नगरवासियों की सुविधा एवं सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत विकास परिषद् विवेकानंद शाखा द्वारा नवीन प्याऊ का लोकार्पण किया गया है।

सार-समाचार

चाकूबाजी के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। सुलतानपुर पुलिस टीम ने थाने में दर्ज चाकूबाजी के प्रकरण में कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त चाकू, एक बाईक और एक वेन को भी बरामद किया है। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 7 अप्रेल को फरियादी सतीश कुमार ने थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि सुल्तानपुर के समीप भौंरा रोड़ पर समीर मिस्त्री के छोटे भाई व उसके साथियों ने रोककर जान से मारने की नियत से चाकू व लकड़ी से हमला कर दिया। हमले में उसके शरीर में कई जगह चोटें आई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक राजेश ढाका के निर्देशन एवं सुल्तानपुर थानाधिकारी सत्यनारायण मालव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए दिनदहाड़े फरियादी सतीश पर हुए चाकू से हमले के मामले में आरोपी रहीम मोहम्मद उर्फ कालू व रियाज हुसैन उर्फ राजू एवं साहिल को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त चाकू एक बाईक और एक वेन को बरामद करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है एवं प्रकरण में वांछित आरोपियों की तलाश की जा रही है।

टैंक की वेल्डिंग करते समय ऊंचाई से गिरने से मजदूर की मौत

कोटा, (निसं)। जिला बूंदी के तालेड़ा थाना इलाके के गुमानपुरा में स्थित ऑयल प्लांट में काम करते समय एक मजदूर ऊंचाई से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे गंभीर घायलावस्था में उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक बंबोरी गढ़ेपान निवासी सत्यनारायण पांचाल (54) है, जो ऑयल प्लांट में ठेकेदार के पास वेल्डिंग का काम करता था। वही एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर परिजनों ने मौके पर ठेकेदार को बुलाने की मांग की। वहीं ठेकेदार के मौके पर पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ। तालेड़ा थानाधिकारी अजित बागडोलिया ने बताया कि सोमवार को सुबह 11 बजे करीब की घटना है। मजदूर सत्यनारायण पांचाल टैंक पर वेल्डिंग करते समय 3 मीटर की ऊंचाई से नीचे गिर गया। जिसे उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

झालावाड़ (निसं)। कांग्रेस कार्यालय में संविधान निर्माता, भारत रत्न, डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई बाबा साहेब की तस्वीर पर माल्यार्पण कर सभी कांग्रेसजनों ने पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष डॉ नन्दसिंह राठौड ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा साहेब ने गरीबों, दलितों, पिछडे वर्ग को उन्होंने अपने अधिकार दिलाये वह श्रमिक हितों के लिए हमेशा उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया करते थे छुआछूत मिटाने के लिए उन्होंने अभियान चलाए समानता का अधिकार के वह पक्षधर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी एडवोकेट घनश्याम गुर्जर ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर को आजादी के बाद बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी संविधान निर्माण की उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि से दुनिया का विशालतम संविधान निर्माण कर इसमें वह सफल हुए आज भी उसी संविधान की रक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं अंबेडकर जयंती पर शहर में निकाली गई।

भाजपा वक्फ सुधार जन जागरण अभियान चलाएगी

बूंदी (निसं)। भारतीय जनता पार्टी वक्फ कानून पर विपक्ष के विरोध का जवाब देने के लिए बड़ी रणनीति के तहत 20 अप्रैल से 5 मई तक 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' चलाएगी। इस दौरान समाज के हर तबके, विशेषकर मुस्लिम समुदाय और महिलाओं से संवाद करेंगी। बीजेपी का दावा है कि यह कानून मुसलमानों के लिए फायदेमंद है और वक्फ संपत्तियों का सही उपयोग सुनिश्चित करेगा। इसके संचालन के लिए शीर्ष नेतृत्व की सहमति से चार सदस्यीय जिला स्तरीय टीम का गठन किया गया हैं। भाजपा नेता संजय लाठी ने बताया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के प्रावधान, सुधार और इससे लाभार्थियों को मिलने वाले अधिकारों के जन जागरण अभियान के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष हाजी मेहमूद गोरी कल्लन को जिला प्रभारी बनाया हैं। इसी प्रकार जिला महामंत्री योगेंद्र श्रृंगी, नैनवा के पूर्व पालिकाध्यक्ष पुखराज ओसवाल व भाजपा मीडिया सम्पर्क विभाग के पूर्व प्रमुख प्रदीप हरसौरा को जिला सह प्रभारी नियुक्त किया हैं।

भोलेनाथ ने नगर भ्रमण किया

कोटा, (निसं)। भोलेनाथ के जयकारों के साथ ही नाचते-गाते भक्त, पारम्परिक परिवेश में श्रद्धालु, पुष्प की वर्षा करते आमजन और भक्तिमय आंदोत्सव के बीच शिवजी नगर भ्रमण को निकले, उनकी एक झलक पाने को लोग आतुर दिखाई दिए, किसी ने बम-बम भोले तो किसी ने जय शिव शंकर का जयकारा लगाया, जहां से भी शिवजी की शोभायात्रा निकली लोगों ने दर्शन कर शिश नवाया।

रंगबाड़ी मार्ग पर भगवान श्री पिप्पलेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का नव-प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव (पाटोत्सव) का आयोजन किया जा रहा है इसी के तहत भगवान भोलेनाथ नगर भ्रमण को निकले। मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष भारत भूषण अरोड़ा ने बताया कि मंदिर में भोलेनाथ को विधि विधान से समारोहपूर्वक अपने नूतन गृह में विराजित किया गया। पाटोत्सव महोत्सव पर सोमवार को शिव परिवार का महाभिषेक के पश्चात भगवान भोलेनाथ पारंपरिक ठाट-बाट से परीकरो के साथ नगर भ्रमण पर पधारें। जिसमें जगह-जगह पुष्प वर्षा आदि से भव्य स्वागत किया गया, स्वागत द्वारा लगाए गए। भजन मंडलियां भजनों पर नाचते गाते चलती रही, झांकी सजाई गई।

न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोटा
प्रार्थना पत्र क्रमांक CM 45/2024

(1) नन्द किशोर यादव आयु ..... वर्ष (2) श्रीमती कांता बाई आयु ..... वर्ष पत्नि श्री नन्द किशोर यादव निवासीगण- खाई रोड, नयापुरा, कोटा ..... प्रार्थीगण

- बनाम -

(1) कर्मचारी भविष्य निधि (पी.एफ.) विभाग विज्ञान नगर, कोटा (2) वेन्सा केयर प्रा.लि., 18 पूसा रोड पूसा ब्लाक नं. 8 डबल्यु.इ.ए. करोलबाग दिल्ली पि. 110005 (3) आम जन (4) मधु यादव पुत्री श्री नन्द किशोर यादव (5) प्रशान्त कुमार यादव पुत्र श्री नन्द किशोर यादव (6) जगदीश यादव पुत्र श्री नन्द किशोर यादव निवासीगण- खाई रोड़ नयापुरा, कोटा ..... प्रतिपक्षीगण

आवेदन अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण ने इस न्यायालय मे आवेदन प्रस्तुत किया है कि स्व. श्री मदनलाल यादव आत्मज श्री नन्द किशोर यादव का निधन दिनांक 14.11.2022 को हुआ है । स्व. मदनलाल यादव साधारणतया खाई रोड नयापुरा, कोटा मे ही निवास करते थे। प्रार्थीगण मृतक मदनलाल यादव के पिता व माता है, प्रतिपक्षी क्रम 4 मृतक की बहिन व प्रतिपक्षी क्रम 5 व 6 मृतक के भ्राता हैं, स्व. मदनलाल यादव के प्रार्थीगण प्रथम श्रेणी के वारिस होने से उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की आवश्यकता है, स्व. मदनलाल मृत्यु के समय प्रतिपक्षी क्रम 2 के यहां कार्यरत थे, जहां उनकी पी.एफ. ग्रेचुएटी की राशि जमा है, जिसके लिए प्रार्थी क्रम 1 को नोमिनी भी बनाया हुआ है। अत: यह प्रमाण पत्र प्रार्थीगण के पक्ष मे जारी करने में किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय मे दिनांक 16 माह 04 सन् 2025 को 7:30 AM बजे उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रार्थीगण के पक्ष मे उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा । हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 03 माह 04 सन् 2025 को जारी किया गया।

न्यायालय के आदेश से
मोहर वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सेशन न्यायालय कोटा (राज.)

नाम परिवर्तन
मैने अपना पुराना नाम AMRIN से बदलकर नया नाम AMREEN KAUSAR रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-अमरीन कौसर पत्नि स्वर्गीय नासिर मोहम्मद, 3-प-13 विज्ञान नगर, कोटा

नाम परिवर्तन
मैने अपना पुराना नाम GIRIRAJ PRASAD GUPTA से बदलकर नया नाम GIRRAJ PRASAD GUPTA रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-गिरराज प्रसाद गुप्ता पुत्र देवी शंकर गुप्ता मकान नम्बर 3-एफ-13, महावीर नगर थर्ड परिजात कालोनी, कोटा

नाम परिवर्तन
मैने अपना पुराना नाम प्रकाश गुप्ता से बदलकर नया नाम प्रकाश खण्डेलवाल रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-प्रकाश खण्डेलवाल पुत्र गिरराज प्रसाद गुप्ता, 3-f-13 महावीर नगर थर्ड परिजात कालोनी, कोटा

शादी समारोह के दौरान गैस सिलेण्डर में आग लगी, महिला सहित पांच जने झुलसे

दर्दनाक हादसे में एक महिला सहित दो बच्चे और दो पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए, अस्पताल में भर्ती कराया

नांगलभीम गांव के भोजलाई जोहड़े में शादी समारोह के दौरान सिलेंडर में आग लगने से हुये घायलों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। थाना इलाके के नांगलभीम गांव के भोजलाई जोहड़े में एक शादी समारोह के दौरान अचानक चीख-पुकार मच गई, जब चाय बनाने के दौरान अचानक सिलेंडर ने आग पकड़ ली। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला सहित दो बच्चे और दो पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए। आग लगने की सूचना मिलते ही लोगों ने आग पर काबू पाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब शादी की तैयारियों के बीच रिश्तेदारों के लिए चाय बनाई जा रही थी, तभी गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण अचानक आग भड़क गई। हादसे में दौसा से अपने पीहर आई सुनिता, जो अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने आई थी, गंभीर रूप से झुलस गई। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत जयपुर रैफर कर दिया है। झुलसे अन्य

- **घटना उस समय हुई जब शादी की तैयारियों के बीच रिश्तेदारों के लिए चाय बनाई जा रही थी, तभी गैस सिलेंडर में रिसाव से आग भड़क गई**
- **हादसे में घायल दुल्हन की भूआ को चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया**

लोगों में रिश्तेदार नरेश नावरिया, शेरसिंह, करण और राहुल शामिल हैं। सभी का अस्पताल में इलाज जारी है। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इस हादसे ने शादी की रौनक के दौरान अचानक व्यवधान उत्पन्न हो गया।

हादसे के शिकार नरेश ने बताया कि वे चार भाई हैं। तीन भाइयों की शादी शादी वाले परिवार में हुई है। सोमवार को उसकी साली पूजा की शादी थी। वे सभी परिवार के साथ शादी में आए थे। इसी दौरान हादसा हो गया। रोहिताश गंगवाल ने बताया कि उसकी सबसे छोटी बहन पूजा की शादी थी। बारात रानोली के पृथ्वीपुरा से आनी थी। वह बाज़ार में शादी की ख़रीदारी कर रहा था।

हादसे की ख़बर मिलते ही वह घर की ओर दौड़ा। अचानक हादसे के बाद शादी के परिवार में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। वहीं गनीमत यह रही कि हादसे में समय रहते हुए भभकते हुए सिलेंडर पर तुरंत काबू पा लिया गया अन्यथा कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता था।

नोखा में एक रात में तीन पेट्रोल पंपों पर लूट

नोखा, (निसं)। यहां नोखा विधानसभा क्षेत्र में एक ही रात तीन पेट्रोल पंप पर लूट की वारदात हुई। तीनों पेट्रोल पंप से बदमाश 1 लाख 34 हजार रुपये और मोबाइल समेत अन्य सामान लूट ले गए। सीसीटीवी में बदमाश पेट्रोल पंप कर्मियों को बंदूक दिखाकर धमकाते हुए नजर आ रहे हैं। सबसे बड़ी वारदात जसरासर में हुई।

जसरासर थानाधिकारी संदीप बिश्नोई ने बताया कि जसरासर में पूर्व सरपंच हीरालाल मेघवाल का पेट्रोल पंप है। देर रात 2 बजकर 53 मिनट पर एक कार में चार बदमाश पेट्रोल पंप पर आए। बदमाशों ने आते ही पेट्रोल पंप पर मौजूद सेल्समैन को बंदूक दिखाकर धमकाया और पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुस गए। यहां से टेबल के ड्रावर का लॉक तोड़कर उसमें से 97 हजार रुपए निकाल लिए। बदमाशों ने ऑफिस में रखी अलमारी समेत अन्य जगहों पर भी तलाशी ली। लूट की वारदात के बाद बदमाश वहां से भाग निकले। इसी तरह बदमाशों ने मैनसर स्थित पेट्रोल पंप से भी करीब 28 हजार रुपए लूट लिए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखे हैं। फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे। वहीं तीसरी वारदात नोखा के चरकड़ा में हुई। नोखा थानाधिकारी अमित कुमार स्वामी ने बताया कि चरकड़ा में नेशनल हाईवे 62 पर स्थित पेट्रोल पंप से बदमाश 9 हजार की नकदी समेत अन्य सामान लूट ले गए।

- **1.34 लाख की नगदी, मोबाइल और अन्य सामान ले गए बदमाश**
- **सीसीटीवी में बदमाश पेट्रोल पंप कर्मियों को बंदूक दिखाकर धमकाते हुए नजर आ रहे हैं**

जैन चौक निवासी पेट्रोल पंप मालिक उतमचंद बेताला ने रिपोर्ट देकर बताया कि शुक्रवार-शनिवार की रात उसके सेल्समैन भरतसिंह और महावीर सिंह ड्यूटी पर थे। रात के समय एक कार में सवार 5 लोग पेट्रोल पंप पर आए। कार सवार लोगों ने 3650 रुपए का पेट्रोल भरवाया। पैसे मांगने पर बदमाशों ने कार से बंदूक दिखाई। एक बदमाश ने कहा कि तुम्हारे पास जो पर्स है, वह निकालकर हमें दे दो। सेल्समैन ने मना किया तो एक व्यक्ति ने दूसरे सेल्समैन भरत सिंह को पकड़ लिया। बदमाशों ने पेट्रोल पंप पर रखा कैश बताने को कहा। सेल्समैन डर गया और ऑफिस में ले गया। कार सवार लोगों ने ऑफिस की टेबल से पेट्रोल बिक्री के 9 हजार रुपए निकाल लिए। बदमाशों ने जाते समय सेल्समैन भरत सिंह का आई-फोन, चांदी का ब्रेसलेट, स्कूटी की चाबी छीन ली। इसके अलावा ऑफिस की चाबी और पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की हार्ड डिस्क उखाड़कर भाग गए।

गर्ल्स कॉलेज प्रिंसिपल पर व्हाट्सएप पर अश्लील चैट करने का आरोप

कोटा, (निसं)। जिले में संचालित एक गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने प्रिंसिपल पर व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज करने के आरोप लगाए हैं। साथ ही कुछ छात्राओं के ग्रुप को चैंबर में बैठाए रखने के आरोप भी लगाए हैं। लड़कियों का आरोप है कि बात नहीं मानने पर कम नंबर और फेल करने की धमकी दी गई।

इस मामले में छात्राओं ने कॉलेज की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा चौहान को शिकायत की थी। इसके बाद छात्राओं को लेकर वे कॉलेज एजुकेशन विभाग के सहायक निदेशक डॉ. विजय पंचोली के पास पहुंचीं थी। छात्राओं की दी गई लिखित शिकायत को आयुक्तालय जयपुर भेज दिया गया है। अभी इस संबंध में कोई जवाब राज्य सरकार से नहीं आया है। इस संबंध में पुलिस तक कोई शिकायत नहीं पहुंची है। वहीं, प्रिंसिपल ने आरोपों को नकार दिया है।

- **छात्राओं की शिकायत राज्य सरकार को भेजी, प्रिंसिपल ने आरोपों को नकारा**
- **लड़कियों का आरोप है कि बात नहीं मानने पर कम नंबर और फेल करने की धमकी दी गई**

विजय पंचोली, सहायक निदेशक, हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट के अनुसार 7 अप्रैल को शिकायत मिली थी। छात्राओं ने लिखित में शिकायत दी है। जिसमें नाम, हस्ताक्षर भी किए हैं। जिस तरीके शिकायत आई है उसको वैसा ही हमने आगे भेज दिया है। इसमें लिखित शिकायत और छात्राओं के दिए कुछ स्क्रीन शॉट आयुक्तालय को भेजे गए हैं। इस संबंध में जांच कमेटी आयुक्तालय के स्तर पर ही गठित की जाएगी।

जानकारी के अनुसार असिस्टेंट डायरेक्टर प्रिंसिपल के खिलाफ सीधी कमेटी गठित नहीं कर सकते हैं। यह संयुक्त निदेशक या फिर पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल ही कर सकते हैं। आयुक्तालय से दिशा-निर्देश मिलने के बाद मामले में आगे जांच शुरू हो जाएगी। लगातार चल रही छुट्टियों के चलते जांच कमेटी गठित नहीं हुई है। अब 15 अप्रैल को कॉलेज खुलेंगे।

लड़कियों का आरोप है प्रिंसिपल उन्हें अश्लील मैसेज भेजते हैं। चार-पांच लड़कियों के ग्रुप को चैंबर में बैठाकर रखते हैं। गार्ड से दरवाजा लगवा दिया जाता है। इस दौरान किसी दूसरे को मिलने नहीं दिया जाता है। इस ग्रुप में कभी एक लड़की होती है, कभी दो से पांच तक होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते साल दिसंबर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उस समय भी लड़कियों में आपस में झगड़ा हो गया था। आरोप लगे थे कि जो लड़कियां प्रिंसिपल की खास हैं उनको ज्यादा वेटेज देते हैं। माउंट आबू और चित्तौड़गढ़ की विजिट पर भी यह लोग गए थे। तब भी दो-तीन लड़कियों को अपनी कार से लेकर गए थे बाकी लड़कियों को बस में बैठा दिया था।

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर प्रिंसिपल का कहना है कि उम्र 50 साल हो गई है और 22 साल का मेरा करियर है। इस तरह से कोई भी घटना उन्होंने नहीं की है। किसी भी छात्र के साथ बदतमीजी या इस तरह की घटना को अंजाम भी नहीं दिया है। उन्हें नोडल अधिकारी और सरकार से भी किसी तरह का कोई पत्र नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बात सुनकर चौंक गया हूं। कौन शिकायत करता है इसकी भी जानकारी नहीं है।

फैक्टरी में आग लगी, 20 लाख का नुकसान

झुंझुनूं, (निसं)। सोमवार सुबह एक सोफा बनाने की फैक्टरी में आग लग गई। आग से करीब 20 लाख रूपए का नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक झुंझुनूं शहर के रीको एरिया में विजय कुमार जाखड़ की एक सोफा बनाने की फैक्ट्री है। जिसमें सोमवार सुबह करीब नौ बजे शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग की सूचना पर तुरंत मौके पर झुंझुनूं नगर परिषद की तीन दमकलें और एक दर्जन से अधिक कर्मचारी पहुंचे, जिन्होंने आग को बुझाने का प्रयास किया। एक तरफ की आग बुझाई नहीं जा रही थी। जिसे जेसीबी की मदद से तोड़ा गया और फिर आग को बुझाया गया। जानकारी के मुताबिक करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया गया।

जमीन मामले को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हुए

आसीन्द/भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद क्षेत्र में सोमवार सुबह हवाला कृषि फार्म पर जेसीबी से दीवार तोड़ते समय दो पक्षों में विवाद हो गया। वहीं मौके पर आसींद पुलिस पहुंची एवं तनवीर मुस्ताक की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच आरंभ की।

आसींद पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश सोलंकी को तनवीर मुस्ताक ने रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि उनके पूर्वजों की जमीन थी जिस पर दो भाइयों का हिस्सा था। वहीं एक हिस्से पर न्यायालय में मामला चल रहा है। जिस पर सोमवार सुबह धर्मी चंद गुर्जर व कस्बे के ही छीतर पठान अपने आदमियों के साथ जेसीबी तथा ब्लैक

- **जेसीबी से दीवार तोड़ते समय दो पक्षों में विवाद हो गया था**

स्कॉर्पियो में आदमी भरकर जमीन पर पहुंचे, जहां अवैध तरीके से जेसीबी से दीवार तोड़ने लगे तथा जब इस तरह असंवैधानिक रूप से दीवार तोड़ने को रोकने की बात कही तो धर्मी चंद गुर्जर व छीतर पठान अपने आदमियों के साथ लाठी डंडों से परिवार के सदस्यों पर हमले के लिए आतुर हो गए। बीच-बचाव में आए व्यक्तियों के साथ भी मारपीट का प्रयास किया गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जहां मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा पारस जैन, पुलिस उपाधीक्षक आसींद ओमप्रकाश सोलंकी व आसींद थाना अधिकारी हंसपाल सिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे, जहां पुलिस ने मामले को गहनता से लेते हुए घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी के आधार पर तनवीर मुस्ताक के परिवार पर हमला करने वाले को पुलिस ने हिरासत में लिया। इस मामले में आसींद पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर छिंतर पठान व धर्मचंद गुर्जर सहित दर्जन भर के लगभग लोगों पर पुलिस रिपोर्ट करते हुए शांतिभंग तथा अन्य धाराओं में पाबंद किया गया। साथ ही हमले के मामले में एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई।

नशीले कैप्सूल के साथ एक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत भाबरु थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नशीले 1200 ट्रमाडोल कैप्सूल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

खुलासा करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर अजयपाल लाम्बा द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ चलाये गए अभियान ऑपरेशन क्लीन स्वीप को लेकर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया था, जिसे लेकर अतिरिक्त पुलिस वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा

- **पुलिस ने आरोपी से नशीले 1200 ट्रमाडोल कैप्सूल बरामद किये**

राजावत के सुपरविजन एवं भाबरु थानाधिकारी जयप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के संबंध में आसूचना संकलन कर, गश्त के दौरान अवैध गतिविधियों की चेकिंग करते हुए विक्रम सैनी पुत्र सुरज्ञानी उम्र 27 साल निवासी ढाणी गैसकान के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ नशीले 1200 ट्रमाडोल कैप्सूल जब्त कर गिरफ्तार किया गया। वहीं अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

पुलिस ने नशीले कैप्सूल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

करोड़ों की ठगी करने वाला कॉन्स्टेबल सस्पेंड

अजमेर, (कासं)। पुलिस विभाग में कार्यरत कांस्टेबल द्वारा पुलिस कर्मिकों से करोड़ों की ठगी करने के मामले में एसपी वंदिता राणा ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कांस्टेबल पवन मीणा को सस्पेंड करने के आदेश दिए। आरोपी कांस्टेबल फरार है। एसपी राणा ने गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम

- **एसपी ने जारी किए आदेश, गिरफ्तारी के लिए टीम गठित**

का गठन किया है।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि मामला 13 मई को सामने आया जब एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि अजमेर पुलिस लाइन में तैनात कॉन्स्टेबल पवन मीणा अपने भाई सरकारी शिक्षक कुलदीप मीणा के साथ मिलकर जिले के 100 से अधिक पुलिसकर्मियों से करोड़ों रुपए की ठगी की वारदात अंजाम दी। आरोपी ने करोड़पति बनने की स्कीम का झांसा देकर कई पुलिसकर्मियों को निवेश के लिए उकसाया। किसी ने पत्नी के गहने, तो

ठगी के आरोपी कांस्टेबल पवन मीणा का फाइल फोटो।

किसी ने लोन लेकर मीणा के कहने पर रकम लगाई, लेकिन सभी के साथ धोखा हुआ। जैसे ही ठगी का मामला सामने आया कांस्टेबल पवन मीणा ड्यूटी से फरार हो गया, पुलिस ने उसकी तलाश के लिए कई बार दबिश दी, लेकिन वह अब तक पकड़ में नहीं आया। एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है जो पवन मीणा की लोकेशन ट्रेस कर उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास करेगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड, प्रथम उदयपुर

क्रमांकःअअ/जिख/अंके/2025-26/87-127 दिनांकः 04/04/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01-09 / 2025-26

खण्ड कार्य क्षेत्र में विभिन्न उपखण्डों के विभिन्न ग्रामों की पेयजल योजना संबंधित विभिन्न कार्य (रू. 5.13 से 56.68 लाख तक के) की आमंत्रित की जाती है जो कि दिनांक 15.04.2025 को 18.00 बजे प्राप्त की जावेगी। निविदाओं का विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in पर देखे जा सकता है

NIB Code PHE2526A0072

UBN No. PHE2526WSRC00230, PHE2526WSRC00231, PHE2526WSOB00232 PHE2526WSOB00233, PHE2526WSOB00234, PHE2526WSOB00235 PHE2526WSOB00236, PHE2526WSOB00237, PHE2526WSRC00238

DIPR/C/4837/2025 अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड, प्रथम उदयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड जालोर

क्रमांक/लेखा/2025-26/ दिनांक :-

ई-बिड सूचना संख्या 01 वर्ष 2025-26

NIB Code: WRD2526A0004

माननीय राज्यपाल महोदय राजस्थान सरकार की ओर से अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा Extension Of Ahore Bhenshwara diversion of Jawai River (head work) & d/s channelization Tehsil Ahore District Jalore (अनुमानित राशि 184.60 लाख) एवं Construction of Kanvla Anicut, Village Kanvla, Tehsil -Bhadrajun, District Jalore (अनुमानित राशि 185.84 लाख) की E-Procurement प्रक्रिया द्वारा दिनांक 08.04.2025 को प्रातः 09:00 बजे से 19.04.2025 को सांय 6.00 बजे तक ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 21.04.2025 को प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी। उपरोक्त बोली में भाग लेने वाले ठेकेदार / फर्म जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/ संगठनों के पास सूचिबद्ध हो जो राजस्थान राज्य के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, वे निर्धारित अवधि में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in से बोली हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात् पात्र है। जिसका विवरण निम्नलिखित वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है एवं खण्ड कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस देखा जा सकता है।

Sr.No.	Work Name	UBN
1	Extension Of Ahore Bhenshwara diversion of Jawai River (head work)& d/s channelization Tehsil Ahore District Jalore	WRD2526 WSOB00005
2	Construction of Kanvla Anicut, Village Kanvla, Tehsil Bhadrajun, District Jalore	WRD2526 WSOB00006

DIPR/C/4841/2025 अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड जालोर

स्कॉर्पिओ अनियंत्रित होकर दूसरी गाड़ी से टकराई, छह घायल

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के स्यालू बस स्टैंड के पास सोमवार को एक ब्लेक स्कॉर्पिओ गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाडर पार कर गई जो सामने से आ रही दूसरी गाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में एनएसजी में मेजर समेत छह जने घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्कॉर्पिओ में सवार दो घायलों को गंभीर हालत होने पर पहले चिड़ावा से झुंझुनूं और बाद में झुंझुनूं से जयपुर रैफर किया गया है।

- **हादसे में एनएसजी में मेजर समेत छह जने घायल, अस्पताल में भर्ती करवाया**

जानकारी के मुताबिक हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के पथरवा गांव की कुम्हारों की ढाणी निवासी दिनेश कुमार अपनी स्कॉर्पिओ गाड़ी से अपने दोस्तों के साथ खाटूश्यामजी और सालासर के दर्शन कर वापिस अपने गांव लौट रहा था। स्कॉर्पिओ गाड़ी में दिनेश के अलावा बलवान, श्यामसुंदर व दो

पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारू किया।

अन्य युवक बैठे थे। स्यालू बस स्टैंड के पास आकर ब्लेक स्कॉर्पिओ अनियंत्रित हो गई। जो डिवाइडर पार करते हुए दूसरी साइड तक चली गई। इसी दौरान सूरजगढ़ की ओर से एक कार आ रही थी, जिसमें एनएसजी में कार्यरत मेजर अविनाश शर्मा थे, जो दिल्ली ट्रेनिंग पूरी करके बीकानेर जा रहे थे। स्कॉर्पिओ गाड़ी आकर उनकी कार से टकराई। जिसके बाद तेज धमाका हुआ। धमाके के साथ ही मौजूद ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। स्कॉर्पिओ सवार पांचों घायलों को चिड़ावा के उप जिला अस्पताल ले जाया गया।

वहीं कार सवार मेजर को चिड़ावा के ही एक निजी अस्पताल ले जाया गया। चिड़ावा से पांचों घायलों को झुंझुनूं रैफर किया गया। वहीं दो गंभीर घायलों को झुंझुनूं से जयपुर रैफर किया गया। चिड़ावा के निजी अस्पताल ले जाए गए मेजर की स्थिति खतरे से बाहर है, जिनका इलाज वहीं पर चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर सूरजगढ़ पुलिस के एएसआई सांवरमल मौके पर पहुंचे। क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारू किया गया। इस मामले में अभी तक थाने में कोई लिखित रिपोर्ट नहीं आई है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अनूपगढ़, (निसं)। नेशनल हाईवे 911 पर बांडा कॉलोनी के पास एक पिकअप और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक चालक की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार का 13 वर्षीय भांजा घायल हो गया। मृतक की पहचान राजू राम (35) के रूप में हुई है। वह 15 एपीडी का रहने वाला था और मजदूरी का काम करता था। उसके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। घायल बच्चे का नाम वकील नायक है, जो सतजंडा श्री विजयनगर का रहने वाला है।

राजू अपने भांजे वकील के साथ अनूपगढ़ से अपने गांव 15 एपीडी लौट रहा था। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को एंबुलेंस से अनूपगढ़ के राजकीय चिकित्सालय लाया गया। डॉक्टर मुरलीधर कुमावत ने राजू को मृत घोषित कर दिया। वकील का इलाज जारी है। एसआई सरदार सिंह मीणा ने बताया कि पुलिस फरार पिकअप चालक की तलाश कर रही है।

कार्यालय समन्वयक, पी.टी.ई.टी.-2025

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

अधिसूचना - 2/2025

प्री टीचर एजुकेशन टेस्ट (पी.टी.ई.टी.)-2025

2 वर्षीय बी.एड. प्रवेश परीक्षा

राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं राज्य सरकार के नियमानुसार पात्र अभ्यर्थियों से वेबसाइट ptetvmoukota2025.com पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थी से अपेक्षा है कि आवेदन से पूर्व उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर लेवें ।

क्र.सं.	विवरण	महत्त्वपूर्ण तिथियाँ
1.	आवेदन की नवीन अंतिम तिथि	17.04.2025
2.	प्रवेश परीक्षा तिथि	15.06.2025

प्रवेश परीक्षा शुल्क रु. 500/- **समन्वयक, पी.टी.ई.टी.-2025**

कृषि कार्यों में बैलों के उपयोग पर किसानों को मिलेगा अनुदान

मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को एक और बड़ी सौगात देते हुए राज्य सरकार द्वारा किसान हित में किए जा रहे कार्यों को विस्तार दिया है। राज्य सरकार ने प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण योजना की घोषणा की है।

बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत राज्य सरकार किसानों को खेती कार्य में प्रयुक्त होने वाली बैल जोड़ी पर 30 हजार रुपये प्रति जोड़ी का अनुदान देगी। यह योजना उन किसानों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी जो पारंपरिक तरीकों से खेती करते हैं और महंगे कृषि यंत्र खरीदने में सक्षम नहीं हैं। इस हेतु हाल ही कृषि विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा शीघ्र ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

राज्य सरकार की इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को कुछ आवश्यक शर्तों को पूरा करना होगा, जिसके तहत किसान के पास कम से कम दो बैल होने चाहिए, जिनका उपयोग खेती कार्य में किया जा रहा हो। केवल लघु एवं सीमांत किसानों को ही इस योजना का लाभ मिलेगा, जिसके लिए तहसीलदार से प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा।

योजना के तहत केवल 15 माह से 12 वर्ष तक की आयु के बैल पात्र होंगे, जिनका पशु बीमा होना आवश्यक

- **लघु एवं सीमांत किसानों को ही इस योजना का लाभ मिलेगा**

होगा। किसानों के पास अपनी भूमि का स्वामित्व प्रमाण पत्र या फिर वनाधिकार पट्टा होना चाहिए। राज्य के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में निवास करने वाले किसानों को भी वनाधिकार पट्टे के आधार पर योजना का लाभ मिलेगा।

सरकार ने इस योजना को पारदर्शी और सरल बनाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा है। किसान स्वयं या फिर नजदीकी ई-मित्र केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया के तहत किसान को राजस्थान साथी पोर्टल पर जाकर आवेदन पत्र भरना होगा। बैल जोड़ी की हालिया फोटो पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। बैलों की बीमा पॉलिसी और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जमा करना आवश्यक होगा। किसान को 100 रुपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। किसान को अपनी लघु या सीमांत श्रेणी का प्रमाण पत्र भी अपलोड करना होगा। सभी आवश्यक दस्तावेज स्कैन एवं अपलोड करने होंगे और ई-प्रपत्र को सत्यापित कर जमा करना होगा। आवेदन जमा होने के बाद, राज्य सरकार द्वारा उसकी स्क्रूटनी की जाएगी और 30 दिनों के भीतर स्वीकृति दी जाएगी।

राज्य सरकार की इस पहल से हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां आज भी बैल जोड़ी का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है, यह योजना किसानों की आर्थिक मदद करेगी और खेती की उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक साबित होगी। योजना की स्थिति और स्वीकृति की जानकारी किसानों को एसएमएस और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी। साथ ही वे स्वीकृति आदेश या प्रमाण पत्र को स्वयं प्रिन्ट निकालकर प्राप्त कर सकते हैं। सरकार की इस योजना से प्रदेश के पारंपरिक किसानों को न केवल राहत मिलेगी बल्कि यह कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने में भी मददगार साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने परिवेदनाओं का शीघ्र निपटारा किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है।

इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा उनका मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

सप्त शक्ति कमान के स्थापना दिवस से पूर्व सांस्कृतिक संध्या

जयपुर। सप्त शक्ति कमान के 21वें स्थापना दिवस से पूर्व एक शानदार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन जयपुर मिलिट्री स्टेशन के कैवलरी पोलो ग्राउंड में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े थे। इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान, कमान के पांच पूर्व आर्मी कमांडर, पांच पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ, सीनियर मिलिट्री वेटरन्स, सिविल गणमान्य, स्टेशन के सभी रैंक और उनके परिवार भी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक संध्या में भारत की मार्शल विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि का एक मनमोहक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में 'कलारीपयट्टू और चेंट्टामेलम', 'मल्लखंब', 'नागा नृत्य' और सिम्फनी 'बैंड डिस्प्ले' के मनोरंजक प्रदर्शन शामिल थे। सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण 61 कैवेलरी द्वारा प्रस्तुत एक भव्य 'घुड़सवारी शो' और एक रोमांचकारी 'पैरामोटर डिस्प्ले' था जिसने दर्शकों को सम्मोहित कर किया।

सप्त शक्ति कमान के 21वें स्थापना दिवस से पूर्व एक शानदार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन जयपुर मिलिट्री स्टेशन के कैवलरी पोलो ग्राउंड में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े थे। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिणी पश्चिमी कमान की स्थापना पहले आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल के नागराज द्वारा 15 अप्रैल 2005 को जयपुर में की गई थी तथा 15 अगस्त 2005 को परिचालन में लाया गया। दक्षिणी पश्चिमी कमान भारतीय सेना की सातवीं और सबसे युवा कमान है।

पिछले 21 वर्षों में, सप्त शक्ति कमान ने न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस और प्रोफेशनल एक्सीलेंस के उच्चतम मानकों को भी प्राप्त किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि सुदृढ़ प्रशिक्षण, नवीन तकनीकों को आत्मसात करने तथा नवीन तकनीकी एवं सामरिक प्रक्रियाओं के विकास से संभव हुई है। इन्हीं प्रयासों से, यह कमान भविष्य के युद्धक्षेत्र की चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक फ्यूचर-रेडी, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन, लीथल और एजाइल फोर्स के रूप में उभरी है।

यह सांस्कृतिक संध्या एकता और गौरव के उत्सव के रूप मनाई गई जो सप्त शक्ति कमान के मूल्यों का प्रतीक है। सभी रेंकों के परिवारों और वेटरन्स ने मिलकर इस शाम को यादगार बनाया ।

सप्त शक्ति कमान अपने 21वें स्थापना दिवस पर यह संकल्प लिया है कि वह विगत 21 वर्षों की भांति ही, अपने उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अदम्य साहस के साथ, हर नई चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। कमान अपने आदर्श वाक्य सदैव विजयी का अनुसरण करते हुए, राष्ट्र की अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और भारतीय सेना की गौरवमयी विरासत को सुदृढ़ करता है।

अदालतों के समय में बदलाव

जयपुर। राजस्थान की सभी अदालतों का 15 अप्रेल से लेकर 27 जून तक के लिए समय परिवर्तन किया गया। हाईकोर्ट से लेकर प्रदेश की अधीनस्थ अदालतें अब मॉर्निंग शिफ्ट में काम करेंगी। हाईकोर्ट में सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे कार्य किया जाएगा। वहीं अधीनस्थ अदालतें सुबह 8 से लेकर दोपहर साढ़े 12 बजे तक सुनवाई करेंगी। बताया जाता है कि प्रदेश में अदालतों की स्थापना के बाद से ही गर्मियों में सभी अदालते मॉर्निंग शिफ्ट में सुनवाई करती है। जुलाई माह से सभी अदालते का अपने रुटीन समय पर संचालित होगी। नई समय सारिणी के तहत हाईकोर्ट में रजिस्ट्री और अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यालय का समय सुबह साढ़े 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा।

'किस बात का डर है जो बीजेपी और संघ के खिलाफ नहीं बोलते'

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी पदाधिकारियों पर तंज कसते हुए स्पष्ट कह दिया है कि आप लोगों को किस बात का डर है जो बीजेपी और संघ के खिलाफ नहीं बोलते। केवल गाड़ी के आगे पदाधिकारी की नेमप्लेट लगाने से और आधे घंटे की मीटिंग में आने से काम नहीं चलेगा।

डोटासरा ने पीसीसी में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में कहा कि संविधान की रक्षा करनी है तो हम सबको उठ खड़ा होना होगा। एक माह तक गांव, ढाणी और कस्बों में संविधान रक्षा का अभियान चलेगा। इसमें भाग लेना होगा।

- **डोटासरा ने कांग्रेस पदाधिकारी को चेताया, कहां नेम प्लेट लगाने से काम नहीं चलेगा**

उन्होंने कहा कि जो इसमें भाग लेगा, वही असली नेता होगा। उन्होंने कहा, यदि हमने संविधान बचाने का काम नहीं किया तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

डोटासरा ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला, ब्लॉक और प्रदेश स्तर पर चल रहे बैठकों के दौर में ,जो पदाधिकारी लगातार 3 महीने तक बिना कारण बताए बैठक में नहीं आएंगे, वे स्वत: ही पदमुक्त हो जाएंगे। उनकी जगह पर समर्पित कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा। डोटासरा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ गलत हुआ तो सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। अगर किसी ने अपराध किया है चाहे वो हमारी पार्टी का ही क्यों न हो, उसे गिरफ्तार कीजिए, लेकिन राजनीतिक दुर्भावना से किसी को परेशान किया तो हम कार्यकर्ता के साथ खड़े रहेंगे। डोटासरा ने कहा कि भाजपा आलाकमान पर्ची के माध्यम से ऐसे लोगों को मुख्यमंत्री बना देते हैं, जिन्हें कोई जानता भी नहीं है। जिन्हें मुख्यमंत्री बनाया है, वे केवल देवदर्शन कर रहे हैं तो ऐसे मुख्यमंत्री को केवल दर्शन के लिए रख लीजिए।

अम्बेडकर जयंती पर छुट्टी का दिन होने व तेज धूप के चलते दोपहर में गर्मी का अहसास दिलाता सूना पड़ा जनपथ।

सी.एम.ने डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पर उनकी अम्बेडकर सर्किल स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा तथा जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे। इससे पहले शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर भी बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

ब्यावर कलेक्टर के निर्देश पर अवैध खनन पर बड़ी कार्यवाही

जिला कलेक्टर खड़गावत के आदेश पर सोमवार को बड़ी कार्यवाही कर मसूदा तहसील के गोपालसागर में अवैध खनन पर कार्यवाही की गई।

ब्यावर। अजमेर जिले से अलग कर नया जिला बनाए गए ब्यावर में अवैध खनन करने वालों की कमर तोड़ने का शानदार अभियान चल रहा है। आमजन में घुल-मिलकर आमजन की भावनाओं को ध्यान में रखकर काम करने वाले ब्यावर के जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत द्वारा राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप अवैध खनन के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है।

जिला कलक्टर खड़गावत के आदेश पर सोमवार को खनिज अभियंता के नेतृत्व में बड़ी कार्यवाही की गई। मसूदा तहसील के गोपालसागर में एक ही स्थान पर खनिज फेल्सपार का ताजा खनन करना पाया गया। खसरा नम्बर 2640 व 2641 जिसकी किस्म खातेदारी भूमि हरजी पुत्र हमीरा के नाम पर दर्ज है। इस भूमि पर अवैध खनन खातेदार कि स्वंय की सहमति से अवैध खनन कर्ता जयनारायण का जीजा

- **मसूदा उपखण्ड के गोपालसागर में अवैध खनन पर कार्यवाही**
- **कार्यवाही करते हुये 3.99 करोड़ रूपये वसूली निकाली गई**

सांवरसिंह उर्फ सावरा निवासी गोपाल सागर के साथ मिलकर अवैध खनन करवाने की जानकारी मिली है।

इस स्थान पर विभाग द्वारा किसी भी व्यक्ति को लीज/खनन पट्टा या एसटीपी आदि स्वीकृति नहीं की गई थी। ऐसे में अवैध खनन पर कार्यवाही करते हुये 3.99 करोड़ रूपये वसूली निकाली गई। विभाग ने सदर थाना में अवैध खनन कर्ताओं व खातेदारों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है।

अभियान की ताजा कार्रवाई में चार प्रकरण बनाए गए हैं। इन सभी प्रकरणों में आरोपी वाहन चालकों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर सीसीटीएनएस पोर्टल पर एंट्री की गई है और वाहनों को जब्त कर लिया गया है। राजस्व हानि रोकने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह अभियान चलाया जा रहा है। यदि इस तरह का अभियान प्रदेश के सभी जिलों में पूरी मुस्तैदी से चले, तो यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि एक दिन प्रदेश में अवैध खनन और माफिया पूरी तरह टूट जाएगा। डॉ. खड़गावत के कड़े रूख को देखते हुए खनिज विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है। इसी का नतीजा है कि 4 से 6 अप्रैल तक चार अलग-अलग स्थानों पर अवैध खनिज परिवहन में लिप्त ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जब्त कर उनके चालकों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

डोटासरा का बयान कांग्रेस के अंतर्कलह को दर्शाने वाला : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान की निंदा करते हुए उनके बयान को कांग्रेस की हताशा, निराशा और अंतर्कलह बताया। पटेल ने कहा कि डोटासरा को अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में जिस तरह साइड लाइन किया गया, उससे उनकी मनोदशा समझी जा सकती है। वहीं दूसरी ओर विधानसभा में उनकी अनुपस्थिति और उनकी पार्टी में सचिन पायलट का बढ़ते कद से डोटासरा अखबारों की सुर्खियां बटोरने के लिए बिना किसी आधार के गलत बयानबाजी कर रहे हैं। पटेल ने कहा कि विशेषाधिकार कानून कब लाया जा सकता है इसके बार में भी शायद डोटासरा को जानकारी नहीं है।

पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की सभी 200 विधानसभा में यथा योग्य समान विकास कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तो डोटासरा से बजट पूर्व यहां तक कह दिया था कि यदि कोई विधायक अपने क्षेत्र में विकास करवाने की बात मुझ तक पहुंचाना चाहता है तो वो आपके मार्फत भी पहुंचा सकता है। मैं प्रदेश के विकास के लिए सदैव तत्पर हूं और विकास कार्यों को बिना किसी भेद भाव के प्राथमिकता दूंगा। ऐसे में विशेषाधिकार का हनन का सवाल ही नहीं होता।

दिया कुमारी ने विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज विद्याधर नगर के दौरे पर रहीं। जहां उपमुख्यमंत्री गौरक्षनाथ आश्रम संस्थान ज्योतिर्लिंग हनुमान गणेश मंदिर में वरिष्ठ नागरिक धोबी बसेठा समाज सुधार सेवा समिति द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में पहुंची। उन्होंने वहाँ डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर पर

- **विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रही उपमुख्यमंत्री**
- **डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित हुए कई कार्यक्रम**

पुष्प अर्पित किए। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता को बढ़ावा देगा और आर्थिक खर्च को कम करेगा। इस मौके पर उन्होने आयोजन में सम्मिलित सभी युवक-युवतियों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज विद्याधर नगर के दौरे पर रही जहां उन्होंने सेक्टर 6 में डॉ.भीमराव अंबेडकर के नाम पर पार्क लोकार्पण एवं मूर्ति अनावरण किया। उप मुख्यमंत्री के इस कार्य से कार्यक्रम के मुख्य संयोजक बद्री नारायण बोलते-बोलते भावुक भी हुए। उन्होंने उपमुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया कि विद्याधर नगर में भीमराव अंबेडकर के नाम पर एक पार्क बन गया है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का विद्याधर नगर में डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में माला पहनाकर स्वागत किया गया।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने नए भारत की नींव रखी थी, इसलिए उनके नाम पर पार्क बहुत छोटी चीज है, मौका मिला तो और भी बड़ा कार्य करेंगे। पीएम मोदी डॉ भीमराव अंबेडकर के सपने के मुताबिक भारत को विकसित और ताकतवर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बन गए हैं, बहुत जल्द हम पहली आर्थिक शक्ति होंगे।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने वार्ड संख्या 8 और 23 में 8 करोड़ 30 लाख से की लागत से पीडब्ल्यूडी, जेडीए, नगर निगम एवीएम विधायक कोष से स्वीकृत विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से आमजन को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में रमेश अग्रवाल वार्ड 8 पार्षद सुमन गुप्ता वार्ड 23 पार्षद भंवर लाल मालाकार मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल राजू मीना बद्री नारायण के सी वर्मा के एल बेताल भजनलाल रोलन सुधीर अग्रवाल व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष गोयल सहित पार्षदगण पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता आमजन मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी वाल्मीकि वेलफेयर संस्था वाल्मीकि बस्ती, थाना रोड, सीताबाड़ी झोटवाड़ा के अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह में पहुंचीं। जहां उन्होंने स्थानीय नागरिकों को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित की।उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जिस भारत की नींव रखी, गरीब के विकास की बात कही, इस पर पीएम मोदी काम कर रहे हैं, और उन्हीं के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ-साथ आप सबको योजनाओं की जानकारी लेना और उसका लाभ लेना बहुत जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि सभी को सरकार की योजनाओं से जोड़ें। महिला, युवा, किसान और हर वर्ग के व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले।योजनाओं का लाभ जब आम आदमी तक पहुंचता है तो उससे बड़ा कोई पुण्य नहीं होता। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने वाल्मीकि समाज के मंदिर में भगवान का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय सायबर ठगी का पर्दाफाश, तीन युवतियों समेत 13 जने गिरफ्तार

मंडावा में माइक्रोसाफ्ट का फर्जी कस्टमर केयर सेंटर चला रहे थे, पुलिस ने कार्रवाई की

मंडावा, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गैंग का राजफाश किया है। इस गैंग के तार विदेशों तक जुड़े हुए हैं। पुलिस ने गैंग का राजफाश करते हुए सायबर ठगी करने वाले 13 जनों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन युवतियां भी शामिल है।

झुंझुनूं ग्रामीण डीएसपी हरिसिंह धायल के नेतृत्व में मंडावा पुलिस, सायबर थाना पुलिस और सायबर सैल की पूरी टीम ने कार्रवाई कर इन 13 जनों को गिरफ्तार कर इनके पास से 21 लैपटॉप और 21 मोबाइल के अलावा इंटरनेट के राउटर समेत कई सामान जब्त किया है। ग्रामीण डीएसपी हरिसिंह धायल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मंडावा कस्बे की फतेहपुर रोड पर एक होटल में सायबर ठगी का कार्य हो रहा है। यह होटल मंडावा निवासी हाजी फारूक भाटी का है।

जिस पर पुलिस ने रविवार शाम को दबिश दी। पुलिस जब होटल पर कार्रवाई करने के लिए पहुंची तो होटल बंद था। जिसके चलते पुलिस ने दीवार फांदकर होटल में एंट्री की तो होटल के अलग-अलग कमरों में अलग-अलग युवक युवतियां लैपटॉप और मोबाइल पर कार्य कर रहे थे, जिनके लैपटॉप चैक किए और पूछताछ की तो सामने आया कि आरोपी एक अंतरराष्ट्रीय गैंग के सदस्य हैं, जो माइक्रो सिप नाम के एप के जरिए माइक्रोसाफ्ट और सोशल मीडिया के इस्तेमाल में आने वाली समस्याओं को दूर करने के नाम पर यूजर्स को झांसा देते थे।

धायल ने बताया कि माइक्रोसाफ्ट का कस्टमर केयर बताकर खुद की लोकेशन भी अमेरिका के वाशिंगटन बताते थे। माइक्रोसाफ्ट व सोशल मीडिया यूजर्स इस माइक्रो सिप एप के जरिए इन तक पहुंच जाते थे। इनके निशाने पर ज्यादातर अमेरिकन लोग होते थे। जिन लोगों के माइक्रोसाफ्ट और सोशल मीडिया को लैपटॉप और कंप्यूटर आपरेट करने में प्राब्लम आती थी। उन लोगों को झांसे में लेकर ये लोग अलग-अलग साफ्टवेयर डाउनलोड करवाकर उनके कंप्यूटर और लैपटॉप को हैंग कर लेते थे। जिसके बाद उनकी जानकारी प्राप्त कर सायबर ठगी करते थे। आरोपियों ने इस पूरे ठग गैंग के दो मास्टर माइंड के भी नाम बताए हैं, जो पूरा सिस्टम आपरेट करते थे। जिन तक भी पुलिस पहुंचने का प्रयास कर रही है। वहीं फिलहाल पुलिस ने इन 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

प्रारंभिक जानकारी में आरोपियों ने बताया कि वे 15 दिनों से मंडावा में अपना ठिकाना बनाए हुए हैं, लेकिन पुलिस इस बात की जांच में है कि आरोपी कब से यहां है और अब तक कितने लोगों से कितनों की ठगी कर चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रहने वाले आकाश वीके, रमेश गुरूंग, मौसे चिंगरा, जंगमिनखय डोंगल, वेस्ट बंगाल के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले किस्मत गजनेर, आशीष ओझा, यूपी के मोनू कुमार, मणिपुर के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले अमित पोल, अप्सरा प्रधान, जुबलिया, मेघालय के कुशाल थापा, मिजोरम के पैट्रिक जोनुसंगा, नागालैंड के चिइजोतेउ लेचु शामिल है।

पुलिस ने दबिश रविवार शाम को पांच बजे ही दे दी थी। मौके पर तरह-तरह की चर्चाएं भी थी। कुछ लोगों ने संभावना जताई कि आईपीएल के इस सीजन में पुलिस ने होटल में सट्टा पकड़ा है, लेकिन पुलिस पूरी रात कार्रवाई करती रही। यहां तक की सुबह तक कार्रवाई जारी थी। घंटों तक चली नॉन स्टॉप कार्रवाई के बाद जब खुलासा हुआ तो सभी चौंक गए कि मंडावा में सायबर ठगी का अंतरराष्ट्रीय सेंटर चल रहा था। इस सेंटर को चलाने वाले भी देश के अलग-अलग क्षेत्रों, जो कि देश के आखिरी छोर के क्षेत्र है। वहां से आकर यहां पर ठगी का काम कर रहे थे।

पुलिस ने होटल में दबिश देकर सायबर ठगी करने वाले 13 जनों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन युवतियां भी शामिल है।

■ **पुलिस ने मौके से 21 लैपटॉप और 21 मोबाइल, इंटरनेट के राउटर समेत अन्य सामग्री जब्त की**

पिता-पुत्र को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया

महज एक घंटे के अंतराल में बेटे को नशीली दवाइयों में तो पिता को डोडा पोस्त की तस्करी में गिरफ्तार किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक ही दिन, महज एक घंटे के अंतराल में बेटा नशीली दवाइयों में तो पिता को डोडा-पोस्त की तस्करी में गिरफ्तार किया। ऐसा मामला हिन्दुमलकोट थाना क्षेत्र में सामने आया है। हिन्दुमलकोट पुलिस ने शनिवार को खाटलबाना निवासी महेंद्र सिंह और उसके बेटे राजा सिंह को अलग-अलग जगह से नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ देर रात संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

हिन्दुमलकोट थाना प्रभारी गुरमेल सिंह लक्ष्मीनारायण नहर की पटरी पर पुलिस जाब्ते के साथ गश्त कर रहे थे। शाम करीब 5.15 बजे एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने पुलिस टीम को देखकर छिपने की कोशिश की। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने संबंधित व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इस पर पुलिसकर्मियों ने तलाशी ली तो अधेड़ के कब्जे से 2.568 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम महेंद्र सिंह पुत्र पहलावान सिंह निवासी खाटलबाना बताया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच एसआई हरबंश सिंह को सौंपी गई। पुलिस को इलाके में नशे के तौर पर उपयोग होने वाली दवाइयों की तस्करी की सूचना भी मुखबिर से मिली थी। इसे देखते हुए पुरानी लिंक नहर के पटरे पर एएसआई सत्यप्रकाश व अन्य पुलिसकर्मियों ने नाकाबंदी की थी। इसी दौरान शाम करीब 6.20 बजे एक व्यक्ति पैदल आता हुआ दिखा। रोककर तलाशी ली गई तो उसके पास 1960 प्रतिबंधित प्रीगाबालीन कैप्सूल व 570 अन्य टेबलेट बरामद हुई। व्यक्ति ने अपना नाम राजा सिंह पुत्र महेंद्र सिंह निवासी खाटलबाना बताया। राजा सिंह से दवाइयों के बिल या अनुज्ञा पत्र के बारे में पूछा गया तो उसके पास कोई दस्तावेज नहीं मिला। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने नशे के तौर पर उपयोग होने वाली दवाइयां मोहनपुरा से लाने की बात कही है।

आरोपी ने बताया कि इकट्ठी दवाइयां खरीदकर वह गांव में नशा करने वाले लोगों को बेचता था। इस पर आरोपी राजा सिंह को संबंधित धाराओं में पकड़ा गया। इस मामले की जांच एएसआई प्यारेलाल को सौंपी गई है। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह ने बताया कि आरोपी राजा सिंह के पिता महेंद्र सिंह की गिरफ्तारी भी शनिवार को ही डोडा-पोस्त तस्करी के मामले में हुई है।

वहीं टाउन पुलिस ने 37.53 ग्राम अफीम सहित कार सवार पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार किया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। थानाप्रभारी सुभाषचंद्र ने बताया कि गश्त के दौरान डीएसटी की सूचना पर अमरपुरा थेड़ी रोही चक 13 एचएमएच से दिल्ली नंबर की कार को रोककर तलाशी ली तो कार सवार युवक से अफीम बरामद हुई। बरामद अफीम की मात्रा वजन करने पर 37.53 ग्राम होना पाई गई। पुलिस ने आरोपी अंकित कुमार उर्फ मन्नु पुत्र राजकुमार वाल्मिकी वार्ड 4 ईदगाह बस्ती किलियांवाली रोड़ अबोहर जिला फाजिल्का को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। इसके अलावा नहर पुलिया टिब्बी रोड़ पर पुलिस ने संदीप सिंह पुत्र जगदीश सिंह रायसिख वार्ड 2 गंगागढ़ को एक धारदार कापा सहित गिरफ्तार किया। वहीं, दशहरा ग्राउंड केपास संदीप पुत्र पुरूषोतम दास कश्यप वार्ड 23 लोहिया कॉलोनी टाउन को एक धारदार तलवार सहित गिरफ्तार किया गया है।

■ **आरोपी ने बताया कि इकट्ठी दवाइयां खरीदकर वह गांव में नशा करने वाले लोगों को बेचता था**

जालोर के यश बालोत को राज्य स्तरीय अम्बेडकर शिक्षा पुरस्कार मिला

जालोर, (कासं)। जालोर निवासी यश बालोत पुत्र तेजाराम बालोत ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं परीक्षा में अनूसूचित जाति वर्ग में राज्य में सर्वोच्च अंक हासिल करने पर सोमवार को डॉ. भीमराम अम्बेडकर जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह में अम्बेडकर शिक्षा सम्मान से सम्मानित किया गया। यश बालोत ने गोल्डन फ्यूचर स्कूल से अध्ययन करते हुए दसवीं बोर्ड परीक्षा में 99.33 प्रतिशत अंक हासिल कर अनूसूचित जाति वर्ग में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने पर अम्बेडकर जयंती पर रा. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से अम्बेडकर जयंती पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रशस्ति पत्र व इक्यावन हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया। समारोह में अम्बेडकर शिक्षा सम्मान प्राप्त करने वाले यश बालोत पहले विद्यार्थी हैं। यश बालोत के सम्मान होने पर जालोर जिले के लिए गौरवान्वित करने वाला होने के साथ लोगो ने हर्ष जताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यश बालोत का सम्मान किया।

11 बीघा जमीन हड़पने के लिए दलित युवक की हत्या

झुंझुनूं, (निसं)। सदर थाना इलाके के नयासर गांव में दलित युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। इस मामले में मृतक के छोटे भाई ने झुंझुनूं पंचायत समिति में कांग्रेस से महिला सदस्य के पति समेत पांच जनों के खिलाफ हत्या और दलित उत्पीडन की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक के भाई नयासर गांव निवासी विजय कुमार मेघवाल ने बताया कि उसके भाई अजय कुमार के हिस्से में करीब 11 बीघा पुश्तैनी जमीन थी। जिसे पड़ौसी गांव मारिगसर निवासी राकेश राहड़, नयासर गांव निवासी विजेंद्र कस्वां, सुरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र कस्वां तथा अनिल कस्वां ने खरीदी थी। लेकिन जमीन के पेटे वे उसके भाई को 50 लाख रूपए नहीं दे रहे थे। बल्कि उसके भाई को चूरू बाईपास पर स्थित एक बार में दो-तीन महीनों से बंधक बनाकर उसे जबरदस्ती शराब पिला रहे थे। ताकि उसकी मौत हो जाए और उन्हें पैसा ना देना पड़े। कल सुबह भी उसका भाई अजय घर पर आया था और बाद में वापिस चला गया। बीती रात को करीब साढे नौ बजे उसका भाई गांव के मुख्य चौक पर बनी दुकानों के बरामदे में मृत हालत में मिला। जिसकी आरोपियों ने हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या और एससी एसटी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं मृतक अजय के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मामले की एफआईआर दर्ज कर जांच सिटी डीएसपी वीरेंद्र शर्मा को सौंपी गई है।

5710 नशीली गोलियां बरामद, आरोपी फरार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के मुकलावा थाना क्षेत्र में पुलिस ने प्रतिबंधित दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भारी मात्रा में मादक दवाएं जब्त की हैं। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्त अधिकारी रायसिंहनगर के निर्देशन में गश्त के दौरान प्रतिबंधित घटक की करीब 5710 नशीली दवाएं बरामद की है। 5160 कैप्सूल व 550 नशीली गोलियां बरामद की है। पुलिस ने आरोपी करण कुमार पुत्र राजाराम बिश्नोई निवासी पीएस मुकलावा के खिलाफ धारा 223(ख) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

थाना अधिकारी मुकलावा सम्पत धायल ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान एक बाइक आती हुई दिखाई दी जिसको रोकने का प्रयास किया तो बाइक चालक नाकाबंदी तोड़कर भाग गया जिस पर पुलिस टीम ने बाइक का पीछा किया तो युवक बाइक छोड़कर फरार हो गया जिस पर बाइक की तलाशी ली तो बाइक से नशीली गोलियां बरामद हुई। थानाधिकारी ने बताया कि बाइक चालक को चिन्हित कर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं अब टीमें गठित कर तस्कर की तलाश शुरू कर दी है। थानाधिकारी धायल ने बताया कि कार्रवाई के दौरान डीएसटी टीम 2 की प्रभारी कलावती चौधरी की टीम की अहम भूमिका रही। टीम में राजेन्द्र कुमार, विकास कुमार, मधुसूदन, जयपाल व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। वही डीएसटी 2 के कॉन्स्टेबल राजेंद्र कुमार अहम भूमिका रही।

हमले में एक व्यक्ति घायल

उदयपुर। सवीना थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ पीड़िता के साथ मारपीट कर टेंपों में तोड़फोड़ करने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित अरूणदास रंगास्वामी पुत्र जगदीशदास निवासी लालमगरी शांति विजय से. 7 ने बिट्टू व साहिल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें पीड़ित ने बताया कि 12 अप्रेल रात में मैं अपने साथी कन्हैयालाल के टेंपों में बैठकर पिंकी दीदी के वहां पर किश्त जमा कराने गया था।

इस दौरान मै टेंपों में बैठा था। इस दौरान आए आरोपियों ने मुझसे शराब के लिए रूपये मांगे। इंकार करने पर मेरे साथ मारपीट की तथा टेंपों में तोड़फोड़ कर मेरा मोबाईल भी फैंक दिया। चिल्लाने पर बचाव में लोगों के आने पर आरोपी फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अंबेडकर की तस्वीर खराब करने का आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। यहां बीछवाल थाना क्षेत्र में स्थित गैरसर गांव में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की लोहे के बोर्ड पर बनी तस्वीर से छेड़खानी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार मामला देर रात गैरसर मे मालासर रोड पर स्थित अम्बेडकर चौराहा का है। पुलिस को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की लोहे के बोर्ड पर बनी तस्वीर से छेड़खानी की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की। क्षेत्र के लोगों में इस घटना के बाद से आक्रोश था। थानाधिकारी गोविंद सिंह चारण ने जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। इसके आधार पर पुलिस ने अशोक कुकणा पुत्र मघाराम कुकणा निवासी बम्बलू को गिरफ्तार कर लिया।

अशोक ने देर रात गाड़ी रोककर अपने साथियों से मिलकर इस घटना को अंजाम देने का प्रयास किया था। घटना की गम्भीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर टीम गठित करके इस युवक को ढूंढने का प्रयास किया गया। आखिरकार छह घंटे की मशक्कत के बाद अशोक को गिरफ्तार कर लिया गया। महज 25 साल का अशोक कूकणा हनुमान मंदिर के पास कोचरो का बास गांव बम्बलू का रहने वाला है। उसकी गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी चारण के अलावा एएसआई ओमप्रकाश और दीपक यादव की विशेष भूमिका रही।

2.9 लाख रूपये की जुआ राशि के साथ 12 जुआरी गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह थाना पुलिस व डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुये क्षेत्र के भासू गांव में दबिश की कार्रवाई कर ताश-पत्ती पर दांव लगा जुआ खेलते 12 जुआरियों को गिरफ्तार किया। वहीं उनके कब्जे से 2 लाख 9 हजार रूपये की जुआ राशि व चार मोटरसाइकिलें जब्त की गई।

थानाधिकारी हरिराम ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार डीएसटी टीम के साथ की गई कार्रवाई में मुकेश पुत्र मांगीलाल धाकड़ निवासी रघुराजपुरा थाना नगरफोर्ट, धर्मचन्द उर्फ धमेन्द्र पुत्र हजारी लाल जाट निवासी भासू, शिवराज पुत्र धन्ना माली खाल का ढावा टोडारायसिंह, रामदेव पुत्र किशन गुर्जर निवासी भासू, एहसान मोहम्मद पुत्र अब्दुल रशीद देशवाली निवासी टोडारायसिंह, शहजाद पुत्र लुकमान देशवाली टोडारायसिंह, ओमप्रकाश पुत्र हरपाल मीणा निवासी बडोदिया थाना डबलाना जिला बूंदी, भंवर लाल पुत्र बद्रीलाल जाट निवासी नयागांव थाना झिराणा, कैलाश पुत्र भागीरथ सेन निवासी टोडारायसिंह, महावीर पुत्र देवकरण गुर्जर निवासी वार्ड नम्बर 3 थाना घाड, गोपल पुत्र छीतर गुर्जर निवासी भासू, अब्दुल गफूर पुत्र हजारी खां पिनारा निवासी भासू से 11 ताश के पत्तों की गड्डी व 2 लाख 9 हजार रूपये की जुआ राशि व चार मोटरसाइकिल जब्त कर सभी 12 जुआरियों के विरूद्ध राजस्थान सार्वजनिक जुआ अध्यादेश में कार्रवाई शुरू की गई।

टोडारायसिंह थाना पुलिस ने 12 जुआरियों को गिरफ्तार किया।

उदयपुर में पारा फिर 40 डिग्री पार पहुंचा

उदयपुर, (निसं)। लेकसिटी में गर्मी फिर बढ़ गई है। दो दिन पहले अंधड़ के साथ बदले मौसम के बाद लू के थपेड़ों के साथ तापमान और गर्मी के तेवर तेज दिखाई दे रहे हैं। सोमवार को तापमान फिर 40 डिग्री को पार कर गया। सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

इधर, भीषण गर्मी को देखते हुए निगम द्वारा अनूठी पहल कर शहर के विभिन्न 28 स्थानों पर छाया के साथ पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध करवाई है। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश ने बताया कि पिछले कुछ समय से लगातार प्रचंड गर्मी पड़ रही है, इस दौरान आमजन को किस प्रकार राहत प्रदान हो सके इसी के तहत नगर निगम द्वारा शहर में 28 स्थान पर शमियाना लगा वहां पर ठंडे जल की व्यवस्था की गई है। साथ ही नगर निगम द्वारा इन सभी स्थानों पर एक महिला स्वयंसेविका की सहायता से ओआरएस के पैकेट भी उपलब्ध करवाए गए हैं जिससे आवश्यकता होने पर कोई भी शहरवासी या राहगीर इनका उपयोग कर सकता है।

नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश ने बताया कि शहर में उदियापोल बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन, नगर निगम, पहाडी बस स्टेण्ड, आर.सी.ए. कॉलेज के बाहर, सुरजपोल, पारस चौराहा, सुभाष चौराहा मल्लाह तलाई, खेमपुरा चौराहा, ठोकर चौराहा, सेवाश्रम चौराहा, बोहरा गणेश जी चौराहा, दुधतलाई पर निगम द्वारा छाया के साथ पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

सरकारी सेवाओं के नाम पर ई-मित्र संचालक आमजन को लूट रहे हैं

निर्धारित दरों से दोगुना-तीन गुना वसूली आम बात हो गई है, प्रशासन नहीं कर रहा कोई कार्रवाई

बीकानेर, (निसं)। राज्य सरकार ने जनता की सुविधा के लिए जो ई-मित्र केंद्र खोले थे, वे अब कुछ लालची संचालकों के लिए कमाई का जरिया बन गए हैं। सरकारी सेवाओं के नाम पर आमजन से खुलेआम लूट हो रही है। निर्धारित दरों से दोगुना-तीन गुना वसूली आम बात हो गई है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि प्रशासन इन केंद्रों की मनमानी पर आंख मूंदे बैठा है।

सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि ई-मित्र केंद्रों पर आमजन से वास्तविक निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र, जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सत्यापन, बेरोजगारी भत्ता, पालनहार योजना, किरायेदार/घरेलू नौकर सत्यापन तथा विश्वविद्यालयों/कॉलेजों की प्रवेश परीक्षा के आवेदन भरने वालों से 50 रुपए लिए जाएं, लेकिन हकीकत यह है कि कई ई-मित्र केंद्रों पर 100 से 150 तक वसूला जा रहा है। इसके अलावा प्रमाण पत्र या आवेदन का प्रिंट आउट लेने के लिए केवल 20 शुल्क निर्धारित है। कई केंद्र तो प्रिंट निकालने के 50 से 70 तक ठोक देते हैं। बिना किसी डर के यह धंधा खुलेआम फलफूल रहा है। नियंत्रण के नाम पर कुछ नहीं हो रहा। हालांकि कुछ वर्ष पूर्व जिला प्रशासन ने औचक निरीक्षण कर कुछ केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बेलगाम हो चुकी है।

प्रशासन की चुप्पी ई-मित्र माफिया को खुली छूट दे रही है। आमजन को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से राहत देने के लिए ई-मित्र व्यवस्था शुरू की गई थी, अब वही आमजन सबसे ज्यादा पीडित है। गरीब, ग्रामीण, अनपढ़ लोग इन केंद्रों पर जाकर ठगे जाते हैं। उन्हें न तो नियमों की जानकारी होती है, और न ही वे विरोध करने की स्थिति में होते हैं। शहर के अधिकांश ई-मित्र केंद्रों पर मनमानी शुल्क वसूली की जा रही है। कई लोगों ने बताया कि कोई भी सेवा लेने जाओ तो 50 में काम नहीं होता। कम से कम 100 तो देना ही पड़ता है, वरना बहाने बना दिए जाते हैं कि सर्वर डाउन है, सिस्टम काम नहीं कर रहा, कल आना पड़ेगा। यानी आमजन को मजबूर किया जा रहा है निर्धारित कीमत से ज्यादा पैसो दें।

■ **कुछ वर्ष पूर्व जिला प्रशासन ने औचक निरीक्षण कर कुछ केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बेलगाम हो चुकी है**

अजमेर शहर में दो जगह आग लगने से लोगों में अफरा-तफरी मची

अजमेर, (कासं)। इन दिनों में शहर में पड़ रही भीषण कर्मी के साथ ही आगजनी की घटनाएं बढ़ने लगी है। शहर में दो स्थानों पर आग लगने की घटना घटित हुई। पहली अलवर गेट थाना क्षेत्र के नाका मदार क्षेत्र के नेहरू नगर स्थित एक खाली प्लाट में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्लॉट में पड़े एलपीजी गैस के प्लास्टिक पाइपों में अचानक आग भड़क उठी और कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि करीब एक किलोमीटर दूर से भी नजर आ रही थी। दूसरी घटना जीआरपी पुलिस लाइन के पास सूखी झाड़ियों और पेड़ों में अचानक आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुआं तेजी से फैलने लगा। अग्निशमन विभाग के कंट्रोल रूम और जीआरपी थाना पुलिस को सूचना दी। दोनों ही घटनाओं में अग्निशमन विभाग के दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

पहली घटना:- नाका मदार क्षेत्र में देर रात खाली प्लॉट में भीषण आग लग गई। एलपीजी गैस के प्लास्टिक पाइप के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस प्लाट में आग लगी वह योगेश और पवन नाम के व्यक्तियों के बताए जा रहे हैं। प्लॉट में भारी मात्रा में एलपीजी गैस के प्लास्टिक पाइप और कबाड़ रखा हुआ था। देर रात करीब 12 बजे प्लॉट में रखे प्लास्टिक पाइपों ने आग लग गई। स्थानीय लोगों ने अलवर गेट थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक प्लॉट में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इसी प्रकार माकड़वाली क्षेत्र में स्थित एक टेलर की दुकान में भी आग लग गई। मौके पर अग्निशमन दल की एक और गाड़ी पहुंची और समय रहते आग को बुझा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। पुलिस घटनाओं के कारणों की जांच में जुटी है। आशंका जताई जा रही है कि आग किसी लापरवाही या शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

दूसरी घटना :-आग लगने की दूसरी घटना जीआरपी पुलिस लाइन के पास सूखी झाड़ियों और पेड़ों में अचानक आग लगने की सामने आई, जिसके चलते क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुआं तेजी से फैलने लगा। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इंस्पेक्टर अर्पित ने बताया कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। वहीं फायरमैन बीरम सिंह ने बताया कि लाइन के पुराने क्वार्टर में पड़े फर्नीचर और कावड़ में आग लगी थी, जिससे आसपास की सूखी झाड़ियों और पेड़ों ने भी आग पकड़ ली। समय पर मिली सूचना से की गई कार्रवाई की वजह से आग ज्यादा नहीं फैल पाई।

अजमेर-जयपुर हाईवे पर ट्रक में लगी आग, बड़ा हादसा टला : अजमेर-जयपुर हाईवे पर गेगल टोल प्लाजा के निकट सोमवार दोपहर को एक ट्रक में अज्ञात कारणों के चलते भीषण अचानक आग लग गई। इस ट्रक पर डीजी पैनल लदा हुआ था। ट्रक में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई, लेकिन समय रहते टोल कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

ट्रक में आग लगने से सामान जल गया।

■ **एलपीजी गैस के पाइपों में तो वहीं झाड़ियों में लगी आग से मचा हड़कंप**

ये पारी ऑरेंज आर्मी को समर्पित है। ईमानदारी से कहूं तो जब भी मैं सुबह जागता हूं तो कुछ ना कुछ लिखता हूं। आज मेरे मन में ऐसा ही विचार आया कि अगर मैं कुछ खास करता हूं तो उसे ऑरेंज आर्मी को समर्पित करूंगा। – **अभिषेक शर्मा**

एसआरआच के बल्लेबाज, मिस्ट्री पर्ची का राज खोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

संजू सैमसन

राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल 2025 अभी तक अच्छा नहीं रहा है। टीम को रविवार को आरसीबी के खिलाफ 9 विकेट से हार झेलनी पड़ी। राजस्थान को ये हार अपने ही घर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मिली। रॉयल्स की ये इस सीजन की चौथी हार है। इस हार के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन काफी निराश दिखे हैं। उन्होंने हार के बाद अपनी टीम की कमियां गिनाई हैं साथ ही बताया है कि कहां टीम से चूक हुई है। इस मैच में राजस्थान ने कैच भी छोड़े, जिसे लेकर संजू ने कहा कि, उन्होंने भी हमारे कैच छोड़े और हमने भी।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट में 145 बार फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया है, जिसमें उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए हैं।

फ़ज़ल अहमद बने राजस्थान कैरम चैंपियन

जयपुर, 14 अप्रैल। राजस्थान राज्य कैरम एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला कैरम संघ, टोंक के प्रायोजन से चल रही राज्य स्तरीय कैरम चैंपियनशिप में आज सिंगल्स स्पर्धा के फाइनल मैच में जयपुर के फ़ज़ल अहमद ने अपने अदभुत खेल के दम पर टोंक के अंसार को 25-6, 25-11 से हराकर एक बार फिर से राजस्थान राज्य के गौरव बनते हुए सिंगल्स खिताब पर कब्जा जमाया । टोंक के पुराने खिलाड़ी अंसार ने उपविजेता ट्रॉफी पर विजय प्राप्त की।सांत्वना पुरस्कार की ट्रॉफी पर टोंक के शाहरुख ने जयपुर के शोएब को संघर्षपूर्ण मैच में 23-19, 21-25, 22-7 से हराकर कब्जा किया। दूसरी ओर डबल्स स्पर्धा के फाइनल मैच में टोंक की जोड़ी अंसार – हसन जोड़ी ने शानदार तकनीकी खेल का प्रदर्शन करते हुए जयपुर की जोड़ी रेहान – शाहरुख को 9-15, 25-1, 25-1 से हराकर डबल्स का खिताब जीता। प्रतियोगिता के चीफ रेफरी जे के भार्गव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान के 12 जिलों के लगभग 100 बेहतरीन खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता से चुनी गई रैंकिंग टीम ही आगामी नेशनल स्तर की विभिन्न चैंपियनशिप में भाग लेगी। पुरस्कार वितरण समारोह में राजस्थान कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज खत्री एवं जयपुर जिले की फागी – चाकसू के पूर्व विधायक अशोक तंवर ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया।

राइजिंग जयपुर फुटबॉल क्लब ने रॉयल फुटबॉल क्लब को 1-0 से हराया

जयपुर, 14 अप्रैल। ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता और रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 3 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया। सभी 110 मैचों को होम अवे के सिद्धांत से खेले जा रहे हैं। अभी तक 19 मैच खेले जा चुके है। **आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में खेले गए मैच :** प्रथम मैच – जयपुर एलीट फुटबाल क्लब और सनराइज फुटबाल क्लब के बीच खेला गया जयपुर एलिट क्लब ने मैच 2/1 से जीता। दूसरा मैच– रॉयल फुटबॉल क्लब और राइजिंग जयपुर के बीच खेला गए रोमांच भरे मैच में दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल खेला पहले हॉफ में दोनों टीमें 0/0 से बराबरी पर रही पर दूसरे हॉफ में राइजिंग जयपुर टीम ने 79 मिनट में शानदार गोल करके 1/0 से बढ़त बनाई जो अंत तक बढ़त बनी रही और राइजिंग जयपुर ने मैच 1/0 से जीत दर्ज की । **ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता के मैदान में खेला गया मैच :** तीसरा मैच – राजस्थान राइजिंग फुटबॉल क्लब और सिटी वाल्स फुटबाल क्लब के मध्य खेला गया सिटी वाल्स फुटबाल क्लब ने राजस्थान राइजिंग क्लब को 1/0 हराकर जीत दर्ज की। आगामी फुटबाल लीग के मैच 15 अप्रैल को जावर माइंस उदयपुर में खेला जाएगा।

धीमे ओवर रेट के लिए अक्षर पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली 14 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ कल खेले गये मैच में धीमे ओवर रेट के कारण 12 लाख रूपयों का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत धीमे ओवर रेट का दोषी पाया गया। इसी के तहत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है। इस बार से आईपीएल में इसके लिए मैच निलंबन का कोई नियम नहीं है। उल्लेखनीय है कि रविवार को खेले गये इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुम्बई इंडियंस के हाथों 12 रनों की हार झेलनी पड़ी थी।

भारत ने तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण में जीते चार पदक

ऑबर्नडेल (अमेरिका) 14 अप्रैल। भारत ने तीरंदाजी विश्व कप 2025 के पहले चरण में एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य सहित कुल चार पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। भारत तीरंदाजी विश्वकप में चार पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। इसमें पुरुष रिकर्व टीम में एक रजत और पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व में धीरज बोम्मादेवरा का कांस्य शामिल रहा। ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा, तरुणदीप राय और अतनु दास वाली भारतीय पुरुष रिकर्व टीम फाइनल में चीन के वांग यान, ली झोंगयुआन और काओ वेनचाओ से 1-5 से हार गई। तीरंदाजी विश्वकप में मेक्सिको छह पदकों (तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य) के साथ शीर्ष पर रहा। भारत ने सेमीफाइनल में स्पेन को 6-2 से हराने से पहले क्वार्टरफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया को 6-2 से शिकस्त दी और पहले दौर में ब्राजील को 6-2 से हराया था। धीरज बोम्मादेवरा ने स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत के दो अन्य पदक कंपाउंड तीरंदाजी में आए।

धोनी और दुबे के पराक्रम से चेन्नई सुपर किंग्स को मिली दूसरी जीत

लखनऊ 14 अप्रैल। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी (नाबाद 26)के हरफनमौला प्रदर्शन और शिवम दुबे की (नाबाद 43) रनों की जूझारु पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 30वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को तीन गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। क्षेत्ररक्षण के दौरान धोनी ने दो कैच पकड़े और लखनऊ के एक खिलाड़ी को रनआउट किया।

167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शेख रशीद और रचिन रविंद्र ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। पांचवें ओवर में आवेश खान ने शेख रशीद (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद आठवें ओवर में एडन मारक्रम ने रचिन रविन्द्र को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। रविन्द्र ने 22 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (37) रन बनाये। इसके बाद रवि बिश्नाई ने राहुल त्रिपाठी (नौ) और रवींद्र जडेजा (सात) को अपना शिकार बना लिया। विजय शंकर (नौ) को राठी ने आउट किया। चार विकेट गवां कर संकट में फंसी चेन्नई के लिए बल्लेबाजी करने आये धोनी ने विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 11 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 26) रनों की पारी खेली। वहीं शिवम दुबे ने 37 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों के साथ (नाबाद 43) रन बनाये। चेन्नई सुपर किंग्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन बनाकर पांच विकेट से मैच जीत लिया।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए रवि बिश्नाई ने दो विकेट के लिए। आवेश खान, दिग्वेश राठी, और एडन मारक्रम ने एक – एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहला विकेट छह रन और उसके बाद दूसरा विकेट 23 के स्कोर पर गवां दिया। एडन मारक्रम (छह) और निकोलस पूरन (आठ) रन बनाकर आउट हुये। के बाद बल्लेबाजी करने आये ऋषभ पंत ने मिचेल मार्श के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 10वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने मिचेल मार्श (30) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। आयुष बडोनी (22) को जडेजा की गेंद पर धोनी ने स्टंप आउट किया। अब्दुल समद (20) को पतिराना की गेंद पर धोनी ने रनआउट किया। ऋषभ पंत को भी पतिराना ने आउट किया। दोनों ही विकेट 20वें ओवर में गिरे। ऋषभ पंत ने 49 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (63) रनों की पारी खेली। शार्दुल ठाकुर (छह) के रूप में लखनऊ का सातवां विकेट गिरा।

एसओजी ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के ब्रांड एम्बैसडर बने कपिल देव

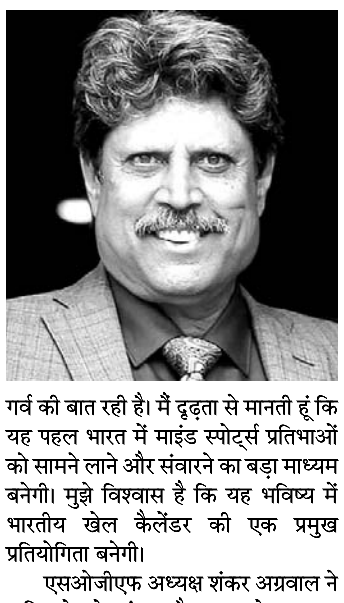

नई दिल्ली, 14 अप्रैल। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और 1983 विश्वकप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव को एसओजीएफ ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के उत्तर और पूर्व क्षेत्र फाइनल्स का ब्रांड एम्बैसडर बनाया गया है।

स्किलहब ऑनलाइन गेम्स फेडरेशन (एसओजीएफ) गुरुग्राम के हयात रीजेंसी में 20 और 30 अप्रैल को इस ग्रैंडमास्टर्स सीरीज का आयोजन करेगा। इस ग्रैंडमास्टर्स सीरीज के लिए अब तक एक लाख 50 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इस अवसर पर पद्म भूषण कपिल देव ने कहा, दुनिया भर में माइंड स्पोर्ट्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, जिसका श्रेय इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती पहुंच को जाता है।

एसओजीएफ के साथ जुड़कर मैं बेहद उत्साहित हूं। रणनीतिक सोच, मानसिक फुर्ती, अनुशासन और समस्या-समाधान जैसी क्षमताएं माइंड स्पोर्ट्स से विकसित होती हैं, जो क्रिकेट जैसे खेलों में भी आवश्यक हैं। यह पहल भारत को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में मदद करेगी और मैं इसका हिस्सा बनकर गौरवान्वित हूं।

पूरे एसओजीएफ ग्रैंडमास्टर्स सीरीज की मुख्य ब्रांड एम्बैसडर ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी ने कहा, इस सीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात रही है। मैं दृढ़ता से मानती हूं कि यह पहल भारत में माइंड स्पोर्ट्स प्रतिभाओं को सामने लाने और संवारने का बड़ा माध्यम बनेगी। मुझे विश्वास है कि यह भविष्य में भारतीय खेल कैलेंडर की एक प्रमुख प्रतियोगिता बनेगी।

एसओजीएफ अध्यक्ष शंकर अग्रवाल ने कपिल देव के ब्रांड एम्बैसडर बनने पर कहा, कपिल देव का हमारे साथ जुड़ना एक गेम-चेंजर है। उनकी खेल में विरासत और प्रेरणादायक छवि हमारी सोच के अनुरूप है। उनकी भागीदारी से माइंड स्पोर्ट्स को नई पहचान मिलेगी।

दिव्यांग रेलवे कर्मी ने सीटींग वॉलीबॉल स्टेट लेवल चैंपियनशीप में जीता स्वर्ण पदक

भावनगर, 14 अप्रैल। पश्चिम रेलवे में गुजरात के भावनगर रेलवे मंडल के दिव्यांग कर्मचारी ने सीटींग वॉलीबॉल स्टेट लेवल चैंपियनशीप में उत्कृष्ट प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीता। मंडल रेल प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गुजरात सरकार द्वारा खेडा, नडियाद में 11 से 14 अप्रैल तक आयोजित दिव्यांगजनों के लिए राज्य स्तरीय विशेष खेल महाकुंभ 3.0 में पैरा सिटिंग वॉलीबॉल स्टेट लेवल चैंपियनशीप में भावनगर की दिव्यांग सारथी चैरीटेबल ट्रस्ट की वॉरियर्स टीम ने गुजरात के विभिन्न जिलों से आई टीमों को पटखनी देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस टीम की ओर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पराक्रम सिंह कनुभा गोहिल को स्वर्ण पदक और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिव्यांग कर्मचारी पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल वर्तमान में पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में वाणिज्यिक विभाग में मुख्य वाणिज्य क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए अपनी टीम को चैंपियन बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

अनित राज मान्डिया का शतक

जी.आर. क्रिकेट एकेडमी की लगातार तीसरी जीत

जयपुर, 14 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज डॉ. सोनी क्रिकेट ग्राउण्ड कालवाड़ रोड़, पर खेले गये पूल-सी के मैच में अनितराज मान्डिया के नाबाद शतक 100 रन (58 गेंद, 9 चौके, 5 छक्के) व प्रवीण शर्मा 69 रन (39 गेंद, 8 चौके, 4 छक्के) के अद्धर्शतक की मदद से जी.आर क्रिकेट एकेडमी ने शिवा क्रिकेट एकेडमी को 35 रन से हरा कर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर जी.आर. क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अनितराज मान्डिया के नाबाद शतक 100 रन (58 गेंद, 9 चौके, 5 छक्के) व प्रवीण शर्मा 69 रन (39 गेंद, 8 चौके, 4 छक्के) के अद्धर्शतक, शुभम पटवाल 30 रन की मदद निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 212 रन बनायें, गेंदबाजी में शिवा क्रिकेट एकेडमी की ओर से प्रशान्त यादव, सतीश धायल व लोकेश खाण्डल प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में मोहित प्रजापत 53 रन, धर्मेन्द्र सिंह 30 रन नाबाद, प्रशान्त यादव 27 रन, कुणाल तंवर 25 रन, प्रयाग सैनी 13 रन ने मिलकर अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया लेकिन विनय चौधरी 51 रन पर 2 विकेट, सचिन असिवाल 28 रन पर 2 विकेट, हेमन्त सोनी 11 रन पर 1 विकेट, प्रवीण शर्मा 28 रन पर 1 विकेट, प्रिन्स सिंह 40 रन पर 1 विकेट की गेंदबाजी के चलते शिवा की टीम निर्धारित 20 ऑवर में 7 विकेट खोकर 177 रन ही बना सकी और 35 रन से मैच गवाह दिया। मैन ऑफ दा मैच अनितराज मान्डिया 100 रन नाबाद जी.आर. क्रिकेट एकेडमी रहे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला दल की घोषणा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 26 अप्रैल से चार मई तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ स्टेडिमय में होने वाली वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम की कमान तेजतर्रार मिडफील्डर सलीमा टेटे संभालेंगी, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान बनाया गया है। पांच मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से और उसके बाद तीन मैच सीनियर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ खेलें जायेंगे। यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण से पहले टीम की तैयारी के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अनुभवी गोलकीपर सविता और युवा प्रतिभा बिचू देवी खारीबाम दोनों ही पोस्ट के बीच जिम्मेदारी साझा करेंगी, जिससे अंतिम पंक्ति में रक्षापंक्ति मजबूत होगी। रक्षापंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं।

आईसीसी ने अफगानिस्तान महिला क्रिकेटरों को वित्तीय सहायता देने की घोषणा की

दुबई, 14 अप्रैल। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विस्थापित अफगान महिला क्रिकेटरों को सहायता के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है।

आईसीसी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ मिलकर अफगानिस्तान की महिला खिलाड़ियों को यह वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इस पहल के तहत आईसीसी अफगानिस्तान की महिला खिलाड़ियों का आवश्यक संसाधन मुहैया कराने के लिए सीधे तौर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक कोष स्थापित करेगा।

इससे इन खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय उन्नत कोचिंग, सुविधाओं के साथ खेल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस पहल को लेकर आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में हम समावेशिता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर क्रिकेटर को अपनी परिस्थितियों की परवाह किए बिना चमकने का अवसर मिले।

कुमार वासुदेव का शतक व दक्ष शर्मा का सत्ता

जयपुर, 14 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल ए के मैच में डायमंड क्रिकेट क्लब ने ज्योति बा फूले क्लब को 100 रनों से हराया तथा पूल बी के मैच में कौशिक क्रिकेट एकेडमी ने सुराणा क्लीनिक को 2 विकेट से हराया।

आज प्रात: जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में डायमंड क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी देवांश सिंह जसवाल के 82 रन, कुमार वासुदेव के शतक 125 रन नाबाद (141 गेंद, 11 चौके, 2 छक्के), हितार्थ डेंगरा के 22 रन, आदित्य शर्मा के 30 रनों से 50 ओवर में 5 विकेट पर 308 रन बनाए। ज्योति बा फूले के लिए आरव महर्षि व आयुष शर्मा ने 2 – 2 विकेट लिए।

जवाबी पारी में ज्योति बा फूले क्लब के उत्कृष सैनी के 88 रन व गर्वित सिंह के 54 रन, व आरव महर्षि के 13 रन से 38 ओवर में 208 रन बनाकर आउट हो गई। डायमंड क्लब के लिए देवांश सिंह ने 50 पर 4, वेदांग शर्मा ने 10 पर 2, संजय महावार अयान खान व आदित्य शर्मा ने एक – एक विकेट लिया। पूल बी के मैच में गणपति ग्राउंड पर सुराणा क्लीनिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्ष शर्मा के 15 रन, समीर के 20 रन व तनिश के 12 रन से 26 ओवर में मात्र 92 रन बनाकर आउट हो गई।

कौशिक क्रिकेट एकेडमी के लिए हितेश जोशी ने 24 पर 5, अंकित ने 6 पर 2, अमर दीप, वरुण व अमन पारीक ने एक – एक विकेट लिया। जवाबी पारी में कौशिक क्रिकेट एकेडमी की टीम दक्ष शर्मा की घातक गेंदबाजी 38 पर 7 विकेट (लगातार 4 गेंदों पर 4 विकेट) की गेंदबाजी के सामने मात्र 10 रनों पर 6 विकेट गंवा दिए थे लेकिन प्रथम मिश्रा के 30 रन व हितेश जोशी के 17 रनों से 14.3 ओवर में 8 विकेट पर 95 रन बनाकर मैच जीत लिया।

राजस्थान की कौशल्या बीसीसीआई महिला अंडर-23 एनसीए इमर्जिंग हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित

जयपुर, 14 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के अनुसार बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाली राजस्थान की युवा अंडर 23 महिला खिलाडी कौशल्या चौधरी का चयन बीसीसीआई महिला चयन कमेटी ने आगामी 21 अप्रैल से 15 मई 2025 के दौरान बेंगलोर एनसीए के अंडर 23 महिला इमर्जिंग हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर के लिए किया है। बीसीसीआई द्वारा आगामी घरेलुक्रिकेट सत्र की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों की प्रतिभा को ओरअधिक सुदृढ़ करने हेतु एनसीए के अंतर्गत देश के विभिन्न केंद्रों पर एनसीए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस केन्दों के स्थापन की गयी है जिसमे चयनित खिलाडियों को बीसीसीआई द्वारा अनुभवी कोचों की निगरानी में रच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है।

राष्ट्रिय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा खिलाडियोंको राजस्थान क्रिकेट संघ ने कौशल्या चौधरी को दिनांक 25 मार्च 2025 को आरसीए एप्रिशियेशन अवार्ड देकर सम्मानित किया था।राजस्थान की कौशल्या चौधरी को बेंगलोर के स्थित के नए स्थापित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस सेंटर में विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। चयनित खिलाडी को दिनांक 20 अप्रैल को अपने प्रशिक्षण केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा।

2 द्विवसीय अंडर 14 कैंप मैच : मध्य क्षेत्र राज सिंह डूंगरपुरअंडर14 टॉफीके संभावितों के चयन हेतु जयपुर में राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित किये जा रहे अंडर 14 प्रशिक्षण शिविर के दौरान आज से खेले जा रहे 2 दिवसीय मैच के पहले दिन का स्कोर :-

पहला मैच टीम - टीम (पहले दिन का स्कोर) : टीम पहली पारी 176 आल आउट, टीम के लिए कौस्तव46 , शौर्य 37 वनारायण 27 रनो का योगदान दिया। टीम के गेंदबाज अरहान13 / 3 विकेट प्राप्त किये।टीम पहली पारी 208 / 2, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने अपनी पहली पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 208 रन बनातेहुए पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त प्राप्त की। टीम के लिए वशिष्ठ शर्मा नाबाद 87 व विवेक बगड़ी नाबाद 61 रनो की अर्धशतकीय पारी खेली अदितराज 36 रनो का योगदान दिया। टीम के गेंदबाज हिमांशु व रक्षितप्रत्येक 1 – 1 विकेट प्राप्त किये।

दूसरा मैच – टीम – टीम (पहला दिन)टीम पहली पारी 299 /4 घोषित, टीम के लिए रियानसेबेस्टियन ने शानदार 100 रनो की शतकीय पारी खेली व आर्यन सिंह नाबाद 62 , अली हैदर 66 , अमरनाथ32 रनो का योगदान दिया।टीम के गेंदबाज जीशान 62 / 2 विकेट प्राप्त किये।टीम पहली पारी 37 / 0।

के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी

राहुल चौधरी के शतक से डी एस जे इलेवन ने 564 बनाए

// हिमांशु राणा का शतक //

जयपुर, 14 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज खेले गए मैच में के एल सैनी स्टेडियम पर डी एस जे इलेवन ने कल के स्कोर 391 रन से आगे खेलते हुए हिमांशु राणा के शतक 123 रन, दिव्यांश शर्मा के 24 रन, अमित वर्मा के 24 रन, कार्तिक बदलानी के 19 रनों से 120.4 ओवर में 564 रन बनाए।

आर एच एल एस एस के लिए पूरव शर्मा ने 92 पर 3, गोविन्द चोपड़ा ने 56 पर एक, शुभम सिंह पटवाल ने 52 पर 2, अर्जुन ऋषि ने 115 पर 3 व हिमान्य भारद्वाज ने 93 पर एक विकेट लिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक आर एच सी एल एस एस टीम ने लोकेश खांडल के 33 रन, राज शर्मा के 33 रन, शुभम सिंह पटवाल के 23 रन, राहुल खंडेलवाल के 17 रन से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 50 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन बनाए थे। डी एस जे टीम के लिए दिव्यांश शर्मा ने 22 पर 3, हिमांशु राणा ने 32 पर 2, अभिजय भंडारी, अमित वर्मा व राहुल चौधरी ने 1 – 1 विकेट लिए।

खेल परिषद ने अपने कर्मचारियों और आरसीए को आईपीएल के 'पास' को तरसाया

जयपुर, 14 अप्रैल। हमेशा से ही आईपीएल का आयोजन कराती थी आरसीए। आरसीए से जुड़े जिला क्रिकेट संघों के हाथ में रहती थी कमान, लेकिन इस बार आरसीए की बजाय खेल परिषद ने कराया आईपीएल का आयोजन और जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी मैच देखने को तरस गए। आरसीए खेल संघों व पदाधिकारियों के पास हमेशा ही मैच के पास बांटने का अधिकार था लेकिन इस बार इनको एक भी पास नहीं हुआ नही मिला। इसी तरह खेल परिषद के स्टेडियम में हो रहा आईपीएल का आयोजन, खेल परिषद दफ्तर में बनी है दर्शकों के लिए दीर्घाएं, लेकिन खुद परिषद के कर्मचारी तरस गए मैच देखने को, वहीं खेल परिषद के बड़े अधिकारियों का रहा फील-गुड, अध्यक्ष, सचिव व मैनेजर्स ने उठाया मैच का लुत्फ, जब आरसीए कराती थी आईपीएल मैचों का आयोजन, तब खेल परिषद कर्मचारियों को मिलते थे 2-2 पास, लेकिन इस बार कर्मचारियों को होना पड़ा पूरी तरह निराश।

आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने खेलमंत्री व राजीव खन्ना को जताई नाराजगी : आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने आईपीएल में आरसीए की अनदेखी करने पर जताई नाराजगी, खेल मंत्री को नाराजगी जताते हुए लिखा संदेश।नीरज के पवन पर कपटपूर्ण निर्णय लेने का किया जिक्र, कहा-ऐसा न हो कि आपसी विवाद में मैच राजस्थान से बाहर चले जाएं। आईपीएल मैच में आरसीए के संसाधन व कर्मचारी इस्तेमाल किए जा रहे, फिर भी आरसीए को अनदेखा करना अपमानजनक है।

आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के राजीव खन्ना को लेटर लिखा गया है जिसमें आरसीए की मशीनरी व मैनपावर के बदले मांगा भुगतान, प्रति मैच आईसीए को 10 लाख रुपए जमा कराने के निर्देश। भुगतान नहीं देने पर अगले मैच से मशीनरी हटाने की दी चेतावनी। आईपीएल के आयोजन में आरसीए की अनदेखी से खफा है बिहाणी, जबकि आयोजन में मशीनरी व मैन पॉवर आईसीए का काम आ रहा। राजीव खन्ना ने विवाद आगे बढ़े उससे पहले ही राज्य सरकार को अपनी बात पहुंचा दी।

खेल भवन की छत पर कुर्सियां रहीं खाली : खेल परिषद की ओर से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एकेडमी की छत और खेल भवन की छत पर अवॉर्डी और परिषद के सीनियर ऑफिसर्स के लिए स्पेशल सीटिंग अरेंजमेंट किए गए थे, लेकिन कोई आया ही नही कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। दोनों छतों पर 175 कुर्सियां लगी थीं, वहीं कुछ कुर्सियां ऐसी भी थीं जिन्हें क्रिकेट प्रशंसक नसीब नहीं हुए।

खेल परिषद के अधिकारियों के दावे खोखले साबित : राजस्थान खेल परिषद के अधिकारियों ने दावा किया था कि फुटबॉल खेल मैदान पर पार्किंग नहीं की जाएगी ताकि ग्राउण्ड खराब नहीं हो। जयपुर में पहले ही मैच के दौरान फुटबाल का ग्राउण्ड वीआईपी वाहनों के लिए पार्किंग बना रहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का भ्रमण करवा रही हैं। योजना के अंतर्गत आज उन्होंने बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना भी किया।

डॉ. अंबेडकर ने भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंबेडकर जयन्ती समारोह में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया

■ **उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तिकरण व श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।**

जयपुर, 14 अप्रेल। सोमवार को राजस्थान इन्टरनैशनल सैंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है।

शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तिकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज भी कहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना के माध्यम से आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों, जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां बाबा साहब के आदर्शों को जाने-समझें और प्रेरणा लें, इसी क्रम में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तहत, अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एंड रिसर्च की शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छकारों को सेफ्टी किट वितरित किए, साथ ही अजा/जजा के उद्यिमयों को औद्योगिक भूखंडों के पट्टे बांटे। इसके अलावा मस्कुलर डिस्ट्रोफी पीड़ितों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत, राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का भ्रमण करवा रही है। योजना के अंतर्गत आज उन्होंने बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना भी किया।

समारोह में शर्मा ने बाबा साहब की प्रतिमा और संविधान की प्रति को माथे से लगाकर नमन किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया। साथ ही, उन्होंने कुलदीप पंवार पाली को अंबेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार और डॉ अनुपमा सोनी को अंबेडकर महिला कल्याण पुरस्कार भी प्रदान किए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि वंचितों के उत्थान के लिए राज्य सरकार ने जो भी वादे किए थे, वो पूरे किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र नायक, जयपुर सासंद मंजू शर्मा, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, विधायक गोरधन लाल, राम सहाय वर्मा, लालाराम बैरवा सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मूल व डमी अभ्यर्थियों की फोटो मिक्सिंग करने वाला गिरफ्तार

अति महानिदेशक वी.के. सिंह ने कहा, उपनिरीक्षक पेपर लीक प्रकरण में 100 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं

■ **फोटो मिक्सिंग करने वाले महेन्द्र कुमार ने रामनिवास विश्नोई और हनुमानाराम के फोटो मिक्स कर रामनिवास की फोटो बनाई, तथा नरपत लाल एवं हनुमानाराम की फोटो मिक्स कर नरपत लाल की फोटो बनाई।**

जयपुर, 14 अप्रेल। स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए मूल अभ्यर्थियों एवं डमी अभ्यर्थियों की फोटो मिक्सिंग कर फोटो बदलने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी प्रमुख वीके सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए मूल अभ्यर्थियों एवं डमी अभ्यर्थियों की फोटो मिक्सिंग कर फोटो की कूटरचना करने वाले आरोपी महेन्द्र कुमार (42), निवासी भीनमाल, जिला जालोर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए 16 अप्रैल तक पुलिस अभिरक्षा रिमांड पर सौंपा है। एसओजी द्वारा इस प्रकरण में अब तक 100 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपी महेन्द्र कुमार का भीनमाल में अजंता फोटो स्टूडियो है, जहाँ समारोह में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के काम के साथ- साथ फोटो मिक्सिंग का काम भी होता है। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा के लिए महेन्द्र कुमार ने रामनिवास विश्नोई एवं हनुमानाराम दोनों की फोटो को मिक्स कर रामनिवास की नई फोटो बनाई थी एवं नरपतलाल एवं हनुमानाराम दोनों की फोटो को मिक्स कर नरपतलाल की नई फोटो बनाई थी। इस मिक्स की हुई फोटो को हनुमानाराम ने 14 सितम्बर 2021 को नरपतलाल के एडमिट कार्ड पर चिपका कर उसके स्थान पर डमी बैठकर लिखित परीक्षा दी तथा 15 सितम्बर 2021 को रामनिवास के एडमिट कार्ड पर चिपका कर उसके स्थान पर डमी बैठकर लिखित परीक्षा दी एवं दोनों को लिखित परीक्षा में उतीर्ण करवाया। आरोपी महेन्द्र कुमार ने अन्य कितने अभ्यर्थियों की फोटो की मिक्सिंग की है, इस सम्बन्ध में एसओजी की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

हाई कोर्ट के दखल पर सफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद पर कार्य ग्रहण करने का आदेश जारी किया जा चुका है।

याचिका में अधिवक्ता विकास सोमानी और एसएल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से साल 2018 में निकाली सफाई कर्मचारी भर्ती में याचिकाकर्ता ने अजमेर जिले में आवेदन किया था। उसने नियमानुसार 16 जुलाई को कार्यग्रहण भी कर लिया था, लेकिन अगले दिन वह आकस्मिक कारण के चलते ड्यूटी से अनुपस्थित हुआ।

इस पर विभाग ने उसे सेवा से हटा दिया था। इसे याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

राम मंदिर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राम मंदिर का निर्माण न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण देशवासियों की आस्था और संकल्प का परिणाम है। यह भारत की सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर और सशक्त करेगा।

चंपत राय ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर से अब निर्माण मशीनें हटाई जाएंगी। प्रथम तल पर राजा राम, परकोटे और सप्तऋषियों के मंदिरों में मूर्तियों की प्रतिष्ठा का कार्य भी शीघ्र शुरू होगा। मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय के अनुसार आगे बढ़ रहा है, जिससे भक्तों में उत्साह है।

सीमांत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्ष भी है। कई माकपा नेताओं की सम्पत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया।

सोमवार को भावनगर, मिनाखान, और संदेश खाली में भारी हिंसा हुई, पुलिस वालों पर हमला हुआ तथा उनके वाहन जला दिए गए। पुलिस थानों पर भी हमला किया गया।

इसी बीच, पुलिस अधिकारियों व राज्य के मुख्यमंत्री ने शांति की अपील की, पर किसी ने नहीं सुनी। मुस्लिम दंगाई हिंसा पर उतारु रहे। इन क्षेत्रों के हिंदू सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं, कइयों ने स्कूल भवनों में शरण ली है। भारी हिंसा के बाद भी ममता बनर्जी ने सिवाय कुछेक अपीलों के कुछ नहीं किया, वे चुप बैठी हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर टोंक में आयोजित विचार-गोष्ठी को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश के सामाजिक ताने-बाने पर ऐसी छाप छोड़ी है कि आने वाली पीढ़ि यां सदियों तक बाबा साहेब को श्रृद्धापूर्वक याद करेगी।

संविधान के मूल ढांचे की रक्षा ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है-पायलट

राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने टोंक में अंबेडकर जयन्ती पर विचार गोष्ठी में भाग लिया

■ **उन्होंने कहा, बाबा साहेब ने शिक्षा पर ध्यान दिया, क्योंकि शिक्षा वो वरदान है जो धर्म, जाति, समाज, क्षेत्र की बेड़ियों को तोड़ सकता है।**

टोंक, 14 अप्रैल (निस)। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर ने विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए संघर्ष कर जो मुकाम हासिल किया, नाम-शौहरत कमायी, उसकी मिसाल दी जाती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर टोंक में आयोजित विचार-गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए।

पायलट ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने देश के सामाजिक ताने-बाने पर ऐसी छाप छोड़ी है कि आने वाली पीढ़ियां सदियों तक बाबा साहेब को श्रृद्धापूर्वक याद करेंगी।

उन्होंने शिक्षा पर ध्यान दिया। शिक्षा वो वरदान है जो धर्म, जाति, समाज, क्षेत्र की बेड़ियों को तोड़ सकती है। जो समाज, जो देश पूरी तरह से शिक्षित नहीं होता, वो पूरा विकसित नहीं हो सकता। मेरा मानना है कि हमें बाबा साहेब को श्रृद्धांजलि देनी है, उनके सपनों को साकार करना है तो ज्यादा प्रासंगिक यह होगा कि उनके द्वारा निर्मित संविधान के मूल ढांचे की रक्षा की जाये।

पायलट ने आज टोंक में आयोजित पार्टी के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं एवं कार्यकर्ताओं के संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा, बाबा साहेब ने कहा था कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो वे देश का संविधान नहीं बना पाते। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ चुनावों से भाजपा ने देश के इतिहास में एक ऐसा पहलू जोड़ दिया है जो हमारे लोकतंत्र के लिए स्वस्थ परम्परा नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त की चयन प्रक्रिया में बदलाव करके उसे कमजोर करना ऐसे उदाहरण हैं, जो निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आप सभी बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है कि आप सजगता और सक्रियता से मतदाता सूचियों में नाम जुड़वाने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के कार्य सम्पन्न करवायें।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग, युवा कांग्रेस अध्यक्ष हंसराज गुंजल, सेवादल अध्यक्ष अब्दुल खालिक सहित, अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अजीब सी शान्ति है, भारत के टॉप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तनाव तथा अमेरिका द्वारा लगाए गए नए टैरिफ का धक्का भी बाज़ार गिरने के कारण बने।

इस उथल-पुथल के केन्द्र में हैं मुकेश अंबानी, एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति, जिनकी व्यक्तिगत संपत्ति में इस साल 3.42 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अंबानी, जो कभी वैश्विक अमीरों की सूची में शीर्ष स्थान पर स्थिर थे, वे अब 17वें स्थान पर आ गए हैं, और उनकी अनुमानित संपत्ति 87.2 अरब डॉलर रह गई है। हालांकि, उनकी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने कुछ हद तक मजबूती दिखाई है, असली झटका जियो फायनैंशियल सर्विसेज़ से आया है, जिसमें 2025 में 24 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इसके बाद हैं गौतम अडानी, भारत के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति, जिनके इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा क्षेत्र में आक्रामक निवेश को लेकर लंबे समय से बाज़ार विश्लेषकों की राय बिल्कुल अलग-अलग है। अडानी की कुल संपत्ति में 6.05 अरब डॉलर की गिरावट आई है, क्योंकि अस्थिर स्टॉक मार्केट तथा समूह की उधारी को लेकर निवेशकों की चिंता के कारण समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में 9 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

लेकिन सबसे बड़ी चोट झेली है टैक्नोलॉजी अरबपति शिव नाडर ने। एच.सी.एल. के संस्थापक की संपत्ति में 10.5 अरब डॉलर की जबरदस्त गिरावट आई है, जिससे वे इस साल, भारत के अरबपतियों में सबसे बड़े घाटे का सामना करने वाले बन गए हैं। वैश्विक आईटी खर्च में मंदी और प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के कारण, टैक क्षेत्र में आई सुस्ती ने नाडर की संपत्ति पर सीधा असर डाला है।

अन्य प्रमुख नामों में, जिंदल ग्रुप की प्रमुख सावित्री जिंदल, जिनकी संपत्ति में 2.4 अबर डॉलर की गिरावट आई है, जबकि सन फार्मा के दिलीप संघवी की संपत्ति 3.34 अरब डॉलर घटी है, क्योंकि रैगुलेटरी (नियामक) चुनौतियों और कमज़ोर कमाई ने फार्मा शेयरों को प्रभावित किया है।

दुख की बात ये है कि सिर्फ अरबपति ही नहीं, खुदरा निवेशक भी इस गिरावट की मार झेल रहे हैं। सैंसैक्स और निफ्टी में करीब 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडैक्स में क्रमश: 14 प्रतिशत और 17 प्रतिशत तक की तेज़ गिरावट दर्ज की गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (फॉरैन इन्स्टिट्यूशनल इन्वैस्टर) द्वारा लगातार अपना पैसा बाज़ार से निकालने से बाज़ार की गिरावट और तेज़ हो गई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए ताज़ा टैरिफ्स ने स्थिति को और उलझा दिया है, जिससे व्यापारिक तनाव बढ़ा है और निवेशकों की घबराहट भी।

भारत के सबसे अमीर लोगों के लिए 2025 एक करारा सबक बनकर आया है। यह याद दिलाता है कि अरबों की नींव पर बने साम्राज्य भी वैश्विक बाज़ारों की बदलती हवाओं से अछूते नहीं रहते।

रामविलास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन की ओर रहेगा। वे करीब 30 वर्ष तक विधायक रहे हैं तथा लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली आरजेडी सरकार में एक बार मंत्री भी रहे थे।

राज्य सरकार ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर अदालत के ध्यान में लाया गया कि मेडिकल कॉलेज खोलने की अनुमति देते समय संस्थानों में आवश्यक संकायों की संख्या, सीटों की संख्या को ध्यान में रखते हुए ही निर्धारित की जाती है। इससे साफ पता चलता है कि अगर किसी मेडिकल कॉलेज में आवश्यक संख्या में शिक्षण संकाय नहीं है तो वहां शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। वहीं, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने खाली पदों को भरने की जानकारी देने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा।

इस पर अदालत ने दो सप्ताह में नियुक्तियों का रोडमैप पेश करने को कहा है। जनहित याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार के अधीन प्रदेश में चलने वाले सरकारी मेडिकल कॉलेज, निजी और स्वायत्तशासी संस्थाओं की ओर से चलाए जा रहे मेडिकल कॉलेजों में बड़ी संख्या में शिक्षक और अन्य कर्मचारियों के पद खाली चल रहे हैं, जिसके चलते मेडिकल शिक्षा प्रभावित हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस आदेश के परिणामस्वरूप, यह मीटिंग राज्य सरकार द्वारा उठाया गया प्रथम कदम है।

मुख्यमंत्री स्टालिन देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री बन गये हैं, जिन्होंने राज्यपाल के अनिवार्य हस्ताक्षरों के बिना 10 विधेयक अधिनियमों के रूप में अधिसूचित कर दिये हैं। यह सब सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का सुफल है।

बुधवार की मीटिंग सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का सीधा और प्रत्यक्ष नतीजा है। हालाँकि स्टालिन सरकारी विश्वविद्यालयों की मीटिंगों की अध्यक्षता पहले भी कर चुके हैं, लेकिन बुधवार की मीटिंग सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की पृष्ठभूमि में विशेष महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि न्यायालय ने मुख्यमंत्री को अब यह अधिकार विधिवत रूप से दे दिया है।

मीटिंग के एजेंडा का एक मुख्य बिंदु अनुदान की माँग भी है। इस पर बाद में और चर्चा होगी तथा 24 अप्रैल को इसे मंजूरी दे दी जायेगी।

इस मीटिंग का फोकस उन वाइस चान्सलरों पर रहेगा, जिनकी नियुक्ति राज्यपाल आर.एन. रवि ने की थी, तथा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि वे सरकार के निर्देशों के अनुरुप कार्य कर रहे हैं अथवा नहीं। शिक्षा विभाग की गाइडलाइन या सुझावों की किसी प्रकार की अवज्ञा या उपेक्षा स्वीकार्य नहीं होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि राज्यपाल ने नैशनल एजुकेशन पॉलिसी को लागू करने की जोरदार वकालत की थी, जबकि राज्य सरकार ने इसे खारिज कर दिया है। राज्यपाल ने इसे व्यापक, क्रान्तिकारी तथा रुपान्तरण करने वाली नीति बताया है। अब राज्य सरकार ने स्टेट एजुकेशन पॉलिसी तैयार करने के लिये एक कमेटी गठित कर दी है।

मेहुल चोकसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भतीजे नीरव मोदी पर पीएनबी से 13,850 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

तेलंगाना में अनुसूचित जाति का वर्गीकरण लागू

तेलंगाना देश का पहला राज्य, जहाँ यह व्यवस्था लागू हुई है

■ **सरकारी आदेश के अनुसार, इस संबंध में विधानमंडल के अधिनियम को 8 अप्रैल को राज्यपाल ने मंजूरी दी तथा 14 अप्रैल को इसे गजट में प्रकाशित किया गया।**

हैदराबाद, 14 अप्रैल। तेलंगाना ने सोमवार को अंबेडकर जयंती के अवसर पर अनुसूचित जाति (एससी) वर्गीकरण के कार्यान्वयन पर एक सरकारी आदेश जारी किया। इसके साथ ही तेलंगाना आधिकारिक तौर पर ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात की जानकारी दी।

तेलंगाना सरकार ने पहले एससी वर्गीकरण पर रिटायर हाई कोर्ट के जज जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त किया था। आयोग ने सिफारिशें की थीं कि 59 अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कुल 15 प्रतिशत आरक्षण के लिए तीन समूहों I, II और III में विभाजित किया जाना चाहिए।

सरकारी आदेश में कहा गया है कि, तेलंगाना विधानमंडल के निम्नलिखित अधिनियम को 8 अप्रैल 2025 को तेलंगाना के राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और उक्त स्वीकृति को सर्वप्रथम 14 अप्रैल 2025 को तेलंगाना राजपत्र में आम जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, समूह-1 में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिणक रूप से वंचित 15 अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जिन्हें एक प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

समूह-2 में 18 मध्यम रूप से लाभान्वित अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जिन्हें 9 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, जबकि समूह-3 में 26 उल्लेखनीय रूप से लाभान्वित अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जिन्हें पांच प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

अनुसूचित जाति वर्गीकरण पर एक उप-समिति के अध्यक्ष मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी आदेश की पहली प्रति आज सुबह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को दी गई। उन्होंने कहा कि, राज्य में एससी वर्गीकरण लागू किया जाएगा। इस संबंध में एक जीओ जारी कर उसकी पहली प्रति सीएम रेवंत रेड्डी को सौंपी गई है।

मंत्री रेड्डी ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एससी वर्गीकरण लागू करने वाला तेलंगाना पहला राज्य है। मंत्री ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में पिछली सरकारों ने वर्गीकरण के लिए प्रस्ताव पारित करने तक ही खुद को सीमित रखा और कभी आगे नहीं बढ़ ाया। उन्होंने आगे कहा कि, राज्य सरकार में अब सभी नौकरी रिक्तियों को एससी के लिए उप-वर्गीकरण के अनुसार भरा जाएगा।

चीन ने अमेरिका पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चूंकि ऐसे लाइसैंस जारी करने का तंत्र अभी सक्रिय नहीं हुआ है, इससे उद्योग जगत चिंतित है कि यह प्रक्रिया लम्बी खिंच सकती है और चीन के बाहर इन खनिजों की कमी हो सकती है। यह कदम, सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि सभी देशों को हो रहे निर्यात को प्रभावित करता है।

यह कदम दर्शाता है कि चीन आवश्यक खनिजों के खनन और प्रसंस्करण में अपनी मजबूत पकड़ को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है।

हालांकि, यह निर्यात नियंत्रण पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना नहीं है, लेकिन बीजिंग निर्यात लाइसैंस की संख्या सीमित कर आपूर्ति को नियंत्रित कर सकता है। लॉकहीड मार्टिन, टेस्ला और एप्पल जैसी अमेरिकी कंपनियां चीन के दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का उपयोग करती हैं।

हालांकि, अमेरिका के पास कुछ रेयर अर्थ तत्वों का भंडार है, लेकिन वे इतने नहीं है कि वह अपने रक्षा ठेकेदारों को इनकी पर्याप्त आपूर्ति कर सके।

बीजिंग पहले ही तीन धातुओं के अमेरिका को निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा चुका है और कई अन्य पर निर्यात नियंत्रण लागू कर चुका है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर प्रतिबंध खास महत्व रखता है, क्योंकि इन पर चीन ने नियंत्रण और कड़ा कर लिया है।

चीन द्वारा जिन भारी रेयर अर्थ धातुओं के निर्यात पर रोक लगाई गई है, उनका उपयोग चुंबक बनाने में होता है- जो कि इलैक्ट्रक कारों, ड्रोन, रोबोट, मिसाइलों, स्पेसक्राफ्ट और पेट्रोल चालित वाहनों के लिए आवश्यक इलैक्ट्रक मोटर्स के निर्माण में अनिवार्य हैं।

इन धातुओं की जरुरत जेट इंजन, लेज़र, कार हेडलाइट्स और कुछ विशेष स्पार्क प्लग्स व कैपेसिटर्स के निर्माण में भी होती है- जो कि एआई सर्वरों और स्मार्टफोनों में इस्तेमाल होने वाले कंप्यूटर चिप्स के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908